RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से खबरें

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 30 | जयपुर गुरूवार, 30 जुलाई 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

▶ लोकसभा में बिल पर 10 घंटे चली मैराथन चर्चा

एंटी पेपर लीक बिल पास

राहुल के अंधभक्त और इडियट शब्द बोलने पर लोकसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हुई नोकझोंक, रिजिजू बोले- माफी मांगें

z नई दिल्ली

संसद में पिछले कई दिनों से जारी हंगामे के बीच बुधवार को लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 यानी एंटी पेपर लीक बिल ध्वनि मत से यह बिल पास हो गया है। सदन की कार्यवाही के दौरान सत्ताधारी एनडीए और विपक्ष में जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर 50 मिनट स्पीच दी।

उन्होंने इडियट और अंधभक्त जैसे शब्द बोले। फिर कहा कि गृहमंत्री ने दिल्ली में छात्रों पर फायरिंग के आदेश दिए। इसको लेकर सत्तापक्ष ने जमकर हंगामा किया। लोकसभा से बिल हंगामे के बीच पारित हुआ। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने खड़े होकर राहुल को टोका और संसदीय नियम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को माफी मांगनी चाहिए। इस पर राहुल ने कहा, अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ बीजेपी बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाता हूं। स्पीकर ओम बिरला ने भी राहुल को टोका। कहा कि वे इस तरह के असंसदीय शब्द नहीं बोल सकते। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पीकर से कहा- इन शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाए। आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने पेपर लीक और परीक्षा में धांधली से निपटने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। पारित इस विधेयक का मकसद सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 में संशोधन करना है। संशोधन का उद्देश्य सख्त कानूनी प्रावधानों के जरिए परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और ईमानदारी को बढ़ाना है।

क्या है नया पेपर लीक कानून

लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 के प्रावधानों के अनुसार परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक करने या अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वाले व्यक्तियों को कम से कम पांच साल और अधिकतम 10 साल तक के कारावास तथा 50 लाख रुपये तक के जुर्माने की सजा हो सकती है। पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की ओर से पेश नए कानून में संगठित अपराधों के लिए कम से कम सात साल के कारावास और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित संशोधनों के तहत सभी जांच दो महीने के भीतर पूरी करनी होंगी। इसके अलावा विधेयक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को त्वरित अदालतें स्थापित करने का निर्देश देने का भी प्रस्ताव है।

राज्यसभा से वंदे मातरम् विधेयक पारित

राज्यसभा ने बुधवार को राष्ट्रीय सम्मान का अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कर दिया। इस संशोधन के बाद अब राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को भी कानूनी संरक्षण मिलेगा। विधेयक के अनुसार, राष्ट्रीय गीत का जानबूझकर अपमान करना या उसके गायन में बाधा डालना अब आपराधिक अपराध माना जाएगा।

यह विधेयक विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच पारित हुआ। सरकार का कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय सम्मान से जुड़े प्रतीकों को कानूनी सुरक्षा देने की दिशा में उठाया गया है। यह संशोधन राष्ट्रीय सम्मान का अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के दायरे का विस्तार करता है। अभी तक इस कानून के तहत राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान जन गण मन को कानूनी संरक्षण प्राप्त था। अब इसमें राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को भी शामिल कर लिया गया है। विधेयक ऐसे सभी कृत्यों को दंडनीय बनाता है, जिनमें जानबूझकर वंदे मातरम् के गायन को रोकना, बाधित करना या उसका अपमान करना शामिल हो। विधेयक ऐसे समय पारित हुआ है, जब वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

अब राष्ट्रीय गीत का अपमान करने पर होगी सजा

मंत्री समूह की किसान संगठनों के साथ 3 घंटे चली बैठक

किसान आंदोलन खत्म, अब 60 प्रतिशत मूंग खरीदेगी सरकार, देर रात बनी सहमति

किसान शत-प्रतिशत मूंग खरीदी की मांग पर अड़े, मंत्री समूह ने पहले 40 प्रतिशत, फिर 50 प्रतिशत मूंग खरीदने की बात कही, अंत में 60 प्रतिशत पर बनी सहमति

z भोपाल

राजधानी में चल रहे किसान आंदोलन के बीच सरकार की ओर से गठित मंत्री समूह ने बुधवार शाम को किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ मैराथन बैठक की। करीब तीन घंटे चली बैठक में किसान शुरुआत से ही शत-प्रतिशत मूंग खरीदी करने और खाद वितरण व्यवस्था में बदलाव करने की मांग पर अड़े रहे। उन्होंने कहा कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो उनका आंदोलन जारी रहेगा। बैठक के अंत में 25 प्रतिशत के स्थान पर 60 प्रतिशत मूंग खरीदी के साथ ही किसान आंदोलन खत्म करने पर सहमति बन गई। बैठक के बाद देर रात संयुक्त किसान मोर्चा ने आंदोलन स्थल पर बैठक की। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने बताया कि बैठक में आंदोलन समाप्त करने को लेकर अंतिम निर्णय ले लिया गया है।

तत्काल प्रभाव से खाद वितरण की ई-टोकन व्यवस्था स्थगित

देर रात में आंदोलन स्थल पर पहुंचे निशांत वरवड़े

बैठक के बाद जब किसानों का आंदोलन समाप्त नहीं हुआ, तो सचिव कृषि विभाग निशांत वरवड़े रात में आंदोलन स्थल रोशनपुरा चौराहा पर पहुंचे। उन्होंने किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से चर्चा कर आंदोलन समाप्त करने का आग्रह किया। इसके कुछ देर बाद किसान संगठनों ने आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया। देर रात ही किसान आंदोलन स्थल से वापस जाना शुरू हो गए थे।

दिन में घेराबंदी तोड़ शहर में घुसे किसान, पुलिस से हुई झड़प

दिन में अपनी मांगों को लेकर सीएम हाउस की ओर बढ़ रहे किसानों ने पुलिस की 4 लेयर बैरिकेडिंग तोड़ दी। रास्ते में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास के सामने आंदोलनकारी किसानों ने धरना देकर सड़क जाम कर दी। इस दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की में कुछ किसानों के कपड़े फट गए। प्रदर्शन स्थल पर कुछ किसानों ने अर्धनग्न होकर विरोध जताया। किसानों के समर्थन में जेन-जी भी शामिल हुए और सरकार की सद्बुद्धि के लिए हवन किया। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने कई रास्तों पर बैरिकेडिंग कर ट्रैफिक रोका, जिससे लोगों को परेशानी हुई। किसान आंदोलन के चलते बुधवार को कई क्षेत्रों ट्रैफिक डायवर्ट रहा और जाम के हालात बने रहे।

अब 10 अगस्त तक होगी स्लॉट बुकिंग, 20 अगस्त तक उपार्जन

बैठक के बाद कृषि मंत्री कंषाना ने मीडिया से चर्चा में कहा कि भारत सरकार द्वारा इस वर्ष ग्रीष्मकालीन मूंग के उपार्जन के लिए मप्र को 4.52 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। भारत सरकार की योजना के अंतर्गत राज्य के कुल उत्पादन का अधिकतम 25 प्रतिशत उपार्जन किए जाने का प्रावधान है। इसी नियम के अंतर्गत निर्णय लिया गया था कि प्रदेश के मूंग उत्पादक किसानों से उनकी उपज का 25 प्रतिशत एमएसपी पर उपार्जित किया जाएगा। निर्णय लिया गया कि अब प्रत्येक पात्र किसान से उसकी मूंग उपज का 25 प्रतिशत नहीं, बल्कि 60 प्रतिशत उपार्जन किया जाएगा, जो नर्मदापुरम, सीहोर एवं हरदा जैसे जिलों में लगभग 3 क्विंटल प्रति एकड़ आता है। यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने स्लॉट बुकिंग की अवधि भी 10 दिन बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब किसान 30 जुलाई के स्थान पर 10 अगस्त तक स्लॉट बुकिंग कर सकेंगे। इसी प्रकार उपार्जन की अंतिम तिथि भी 10 अगस्त से बढ़ाकर 20 अगस्त की जा रही है।

मप्र हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा तल्ख सवाल

समुद्र के नीचे मेट्रो बन सकती है, तो टिकाऊ सड़कें क्यों नहीं

मौत के गड्ढों पर दायर जनहित याचिका में केंद्र व राज्य सरकार से मांगा जवाब, अगली सुनवाई 5 अगस्त को

z जबलपुर / आरएनएन

हाईकोर्ट ने सड़कों पर बने मौत के गड्ढों को लेकर दायर जनहित याचिका पर तल्ख टिप्पणी की है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने पूछा कि जब देश में न्यूक्लियर पावर प्लांट और समुद्र के नीचे मेट्रो बनाई जा सकती है, तो ऐसी सड़कें क्यों नहीं बनाई जा सकतीं, जो वर्षों तक गड्ढा मुक्त रहें। इस सवाल ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता और सरकारी जवाबदेही पर गंभीर बहस छेड़ दी है। कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए केंद्र और राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। अगली सुनवाई पांच अगस्त को होगी। इंदौर के कल्याण संपत गार्डन निवासी और सेवानिवृत्त ट्रेन मैनेजर राजेन्द्र सिंह ने यह जनहित याचिका दायर की है।

मप्र देश में दूसरे स्थान पर पहुंचा

याचिका में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की वर्ष 2023 की रिपोर्ट का हवाला दिया गया है। इसके अनुसार वर्ष 2023 में मध्य प्रदेश में गड्ढों से संबंधित सड़क दुर्घटनाओं में पिछले वर्ष की तुलना में 31.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इन दुर्घटनाओं में 5,840 हादसे हुए और 2,161 लोगों की जान गई। याचिका में यह भी कहा गया कि वर्ष 2020 से 2023 के बीच सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में मध्य प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

दतिया सीट पर उपचुनाव के लिए आज होगा मतदान

3 अगस्त को आएगा चुनाव परिणाम

z भोपाल / प्रसं

दतिया विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए मतदान 30 जुलाई को होगा। मतदान गुरुवार सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा। चुनाव आयोग ने मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

मतदान केंद्रों पर सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ चुनाव प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। दतिया उपचुनाव में कुल 21 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। हालांकि मुख्य मुकाबला भाजपा के उम्मीदवार आशुतोष तिवारी और कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह के बीच माना जा रहा है। दोनों प्रमुख दलों ने चुनाव प्रचार के दौरान पूरी ताकत झोंकी और मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। निर्वाचन आयोग के अनुसार दतिया उपचुनाव में कुल 2 लाख 20 हजार 344 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतगणना 3 अगस्त को होगी।

भाजपा के आशुतोष तिवारी और कांग्रेस के घनश्याम सिंह के बीच है मुख्य मुकाबला

थाईलैंड में पाकिस्तानी ने करवाया 3 भारतीय पर्यटकों का अपहरण

मांगी करोड़ों रुपए की फिरौती

बैंकॉक, आरएनएन। थाईलैंड में पांच भारतीय नागरिकों को अपने ही देश के तीन लोगों का अपहरण करने और उनकी रिहाई के लिए फिरौती मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पांच आरोपियों को मंगलवार को बैंकॉक के क्लोंग तान इलाके के एक होटल से गिरफ्तार किया गया, वे विदेश भागने की फिराक में थे। संदिग्धों की पहचान अवतार सिंह (38), जगजीत सिंह (38), रामबालक कुमार (24), सुखबीर सिंह (37) और कुलरा सिंह (27) के रूप में की गई है। आरोपियों ने जांचकर्ताओं को बताया कि उन्हें एक पाक नागरिक ने तीन भारतीय पुरुषों (सभी पर्यटक) का अपहरण करने का निर्देश दिया था। उन्होंने बताया कि वे पाक नागरिक को जून माह से एक चैट एप्लिकेशन के माध्यम से जानते थे।

माना जा रहा है कि इस कथित षडयंत्रकर्ता का ठिकाना दुबई में है और उसने फिरौती की रकम क्रिप्टोकरेंसी'के रूप में हासिल करने की योजना बनाई थी। पुलिस ने मीडिया को बताया कि आरोपियों को यह काम पूरा करने के बाद थाईलैंड छोड़ने के लिए कीमती सामान, नकदी और हवाई टिकट देने का वादा किया गया था। खबर के अनुसार अपहरणकर्ताओं ने प्रत्येक पीड़ित के परिवार से 40 लाख रुपये (41,831 अमेरिकी डॉलर) की फिरौती मांगी थी।

एलएचएस का डीआरएम एवं विधायक ने किया निरीक्षण

30 सितंबर 2026 तक ओमनगर-चमनपुरा एलएचएस का कार्य पूरा होने का रखा लक्ष्य

● अहमदाबाद

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के डीआरएम वेद प्रकाश एवं ठक्करबापा नगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक कंचनबेन विनुभाई रादड़िया ने बुधवार को संयुक्त रूप से असारवा-हिम्मतनगर रेलखंड के ओमनगर एवं चमनपुरा के मध्य स्थित लेवल क्रॉसिंग संख्या-3 पर निर्माणाधीन लिमिटेड हाइट सबवे (एलएचएस) का बुधवार सुबह 06.00 बजे निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित अफसरों को निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि हाल ही में अहमदाबाद दौरे के दौरान केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस अंडरब्रिज के निर्माण कार्य को आगामी नवरात्रि महोत्सव से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश भी दिए थे।

सुप्रीम फैसला | महाप्रभु जगन्नाथ फिल्म पर सुप्रीम कोर्ट का रोक लगाने से इनकार

धार्मिक भावनाओं के आधार पर फिल्मों पर बैन नहीं

कहा- ऐसी रोक लगी तो रामायण और महाभारत भी नहीं बन पाएंगी

z नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने भगवान जगन्नाथ पर आधारित एनिमेटेड फिल्म महाप्रभु जगन्नाथ की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि यदि कुछ लोगों की धार्मिक भावनाओं के आधार पर फिल्मों और कला पर प्रतिबंध लगाने की मांग स्वीकार कर ली जाए, तो देश में कला, साहित्य और रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए कोई स्थान नहीं बचेगा।

न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और आर. महादेवन की पीठ ने बुधवार को उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने और पहले दिए गए आदेश में संशोधन की मांग की गई थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाणपत्र मिल चुका है और इससे पहले भी अदालत ने रथ यात्रा समाप्त होने के बाद 28 जुलाई या उसके बाद फिल्म रिलीज करने की अनुमति दी थी।

बच्चों के लिए बनाई गई है एनिमेटेड फिल्म

पीठ ने यह भी कहा कि ऐसी फिल्मों को बनाने में बहुत ज्यादा रिसर्च किए जाते हैं। केवल कुछ लोगों की आपत्ति के कारण कलाकारों की स्वतंत्रता को सीमित नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, क्या सिर्फ दो-तीन संवेदनशील लोगों की वजह से हम यह कह दें कि देवी-देवताओं पर कोई रचनात्मकता, साहित्य या मूर्तिकला नहीं हो सकती? एनिमेशन फिल्में बच्चों के लिए बनाई जाती हैं। कलाकारों को इस तरह बंधक नहीं बनाया जा सकता।

मंदिर समिति ने जताई थी आपत्ति

सुनवाई के दौरान ओडिशा सरकार की ओर से पेश एडवोकेट जनरल प्रीतांबर आचार्य ने मंदिर समिति का पक्ष रखते हुए कहा कि फिल्म निर्माता ने पहले भगवान जगन्नाथ के एनिमेटेड चित्रण को लेकर धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए कुछ बदलाव करने का आश्वासन दिया था। उनका कहना था कि भगवान जगन्नाथ को डोरेमोन और स्पाइडरमैन जैसे स्टाइल में दिखाए जाने पर लोगों ने आपत्ति जताई थी। हालांकि, फिल्म प्रोड्यूसर की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत ने अदालत में इस तरह का कोई भी भरोसा देने से इनकार किया।

बाबा रामदेव बोले- फिल्मी सितारों को नहीं, माता-पिता, महापुरुषों को बनाएं रोल मॉडल

गुरु पूर्णिमा पर पतंजलि में भव्य समारोह, 111 कुण्डीय महायज्ञ,1176 विद्यार्थियों का उपनयन-वेदारंभ हुआ

● हरिद्वार

पतंजलि फेज-दो योग भवन में दिव्य और भव्य तरीके से गुरु पूर्णिमा मनाया गया। इस दौरान पतंजलि योगपीठ पूरी तरह से गुरु-शिष्य परंपरा में डूबा रहा। यज्ञ, हवन से पूरा वातावरण बेहद भावमय हो गया था।

आवासीय विद्यालय आचार्यकुलम् में बुधवार को पावन पर्व पर वैदिक रीति से 1176 विद्यार्थियों का उपनयन व वेदारंभ संस्कार संपन्न हुआ। वहीं, पतंजलि फेज-दो के योग भवन में 111 कुण्डीय महायज्ञ का दिव्य आयोजन किया गया। जहां स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण से आशीष लेने के लिए हजारों शिष्य मौजूद रहें। इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने कहा कि कुछ मुर्ख गुरु-शिष्य परंपरा को गुरु की गुलामी कहते हैं जबकि खुद वो विलासिता में डूबे हुए हैं। स्वामी रामदेव ने कहा कि नायक और नायिका को अपना आदर्श, रोल मॉडल और आईकन मत मानो, अपने माता-पिता, दादा-दादी, नानी-नानी को रोल मॉडल मानो। वहीं, आचार्य बालकृष्ण ने गुरु-शिष्य परंपरा का अनूठा उदाहरण पेश करते हुए स्वामी रामदेव से चरण छूकर आशीर्वाद लेकर कहा कि गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व सकारात्मकता व पुरुषार्थ का संवाहक है। गुरु के बताए पथ पर चलने वाला कभी गलत रास्तों पर नहीं जा सकता। पतंजलि फेज-दो योग भवन में स्वामी रामदेव ने कहा कि हमारी संस्कृति में गुरु को साक्षात ब्रह्मस्वरूप माना गया है।

प्रदेश के गांवों में भी खोले जाएंगे आधार सेवा केंद्र, पहले चरण में छह जिलों की पंचायतों में मिलेगी सुविधा

लखनऊ

आधार कार्ड बनवाने या उसमें नाम, पता, मोबाइल नंबर और बायोमेट्रिक अपडेट कराने के लिए अब ग्रामीणों को शहर नहीं जाना पड़ेगा। प्रदेश सरकार ने ग्राम पंचायतों को डिजिटल सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में पहले चरण में छह जिलों की 110 ग्राम पंचायतों में आधार नामांकन और अपडेट सेवाएं शुरू कर दी हैं। इन केंद्रों के माध्यम से अब तक 75 हजार से अधिक आधार संबंधी सेवाएं प्रदान की जा चुकी हैं। पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश की सभी 57694 ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से आधार केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य है। पहले चरण में 5,000 ग्राम पंचायतों को योजना से जोड़ा जा रहा है। फिलहाल लखनऊ, अयोध्या, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और बलरामपुर की 110 ग्राम पंचायतों में यह सुविधा शुरू हो चुकी है।

180 बच्चों पर सिर्फ 4 कमरे

भैंसाकुण्डल स्कूल में दो-दो कक्षाओं की एक साथ पढ़ाई,एक साल बाद भी नहीं बना नया भवन

स्मार्ट हलचल

मंगरोप। शिक्षा का अधिकार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के सरकारी दावों की वास्तविक तस्वीर हमीरगढ़ उपखण्ड क्षेत्र के भैंसाकुण्डल गांव के राजकीय विद्यालय में साफ नजर आती है।कक्षा 1 से 10 तक संचालित इस विद्यालय में करीब 180 विद्यार्थियों का नामांकन है,लेकिन विद्यालय भवन में महज चार कमरे होने के कारण बच्चों की पढ़ाई गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है।पर्याप्त शैक्षणिक सुविधाओं के अभाव में गांव के 200 से अधिक बच्चों को अभिभावक मजबूरी में निजी विद्यालयों में पढ़ाने को विवश हैं।कमरों की भारी कमी के चलते विद्यालय में कक्षा 1 और 2 के विद्यार्थियों को एक साथ तथा कक्षा 4 और 5 की भी संयुक्त कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।इससे बच्चों की पढ़ाई की गुणवत्ता पर सीधा असर पड़ रहा है।शिक्षकों को भी अलग-अलग कक्षाओं का पाठ्यक्रम एक साथ पढ़ाना पड़ रहा है,जिससे प्रभावी शिक्षण

व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

एक साल पहले ढह गया था स्कूल भवन,आज तक नहीं हुआ निर्माण

ग्रामीणों ने बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व विद्यालय का भवन जर्जर होकर ढह गया था।उस समय बड़ी संख्या में ग्रामीणों,अभिभावकों और विद्यार्थियों ने विद्यालय पर एक दिवसीय तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन किया था।प्रदर्शन के बाद हमीरगढ़ के एसडीएम झंवरलाल मित्तल,तत्कालीन तहसीलदार भंवरलाल सेन तथा शिक्षा विभाग की जांच टीम मौके पर पहुंची थी।जांच के दौरान टीम ने विद्यालय के सभी संभावित जर्जर कमरों को चिन्हित कर सील कर दिया था और जल्द नया भवन बनवाने का आश्वासन दिया गया था।इसी भरोसे पर ग्रामीणों ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया,लेकिन एक साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी न तो नए भवन का निर्माण शुरू हुआ और न ही ढहे हुए कमरों का मलबा हटाया गया।

कई बार गुहार,फिर भी नहीं मिली राहत

ग्रामीण दिनेश रावणा राजपूत,कालूलाल जाट और कैलाश चौधरी ने बताया कि विद्यालय में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण,पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति और अन्य मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर मुख्यमंत्री,शिक्षा मंत्री,शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन को कई बार ज्ञापन व शिकायतें दी जा चुकी हैं।इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।उनका आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी वर्षों से केवल आश्वासन दे रहे हैं, जबकि गांव के बच्चों का भविष्य लगातार प्रभावित हो रहा है।

200 से अधिक बच्चों को निजी स्कूल भेजने की मजबूरी

ग्रामीणों का कहना है कि यदि विद्यालय में पर्याप्त कमरे और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होतीं तो गांव के अधिकांश बच्चे सरकारी विद्यालय में ही अध्ययन करते।लेकिन बदहाल व्यवस्था के कारण 200 से अधिक बच्चों को अभिभावकों को निजी विद्यालयों में प्रवेश दिलाना पड़ रहा है,जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी पड़ रहा है।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीणों ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से मांग की है कि विद्यालय में जल्द से जल्द अतिरिक्त कक्षों का निर्माण, पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति और अन्य आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।उनका कहना है कि बच्चों का भविष्य केवल घोषणाओं और आश्वासनों से नहीं,बल्कि मजबूत शैक्षणिक ढांचे और पर्याप्त संसाधनों से सुरक्षित हो सकता है।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र स्थायी समाधान नहीं किया गया तो गांव के लोग अभिभावकों और विद्यार्थियों के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे,जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन और शिक्षा विभाग की होगी।

गौवंश सड़कों पर, जिम्मेदार मौन

जहाजपुर में न नगर पालिका की गौशाला, न सरकारी कांजी हाउस

हर सड़क पर बेसहारा गौवंश का कब्जा, हादसों का खतरा बढ़ा; व्यवस्था के अभाव पर उठे सवाल

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर नगर में बेसहारा गौवंश की समस्या लगातार विकराल होती जा रही है। नगर की मुख्य सड़कों से लेकर रिहायशी कॉलोनियों तक दर्जनों गौवंश खुलेआम घूमते और सड़क के बीच खड़े दिखाई देते हैं। इससे हर समय सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, लेकिन नगर पालिका अब तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं खोज सकी है। स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि नगर पालिका के पास न अपनी गौशाला है और न ही सरकारी कांजी हाउस, जहां बेसहारा गौवंश को सुरक्षित रखा जा सके। परिणामस्वरूप पूरा नगर ही इन पशुओं का आश्रय स्थल बन गया है और सड़कें आमजन के बजाय गौवंश के कब्जे में नजर आने लगी हैं। स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी में ऐसे पशुओं के प्रबंधन की व्यवस्था भी शामिल मानी जाती है। तस्वीर भी इसी बदहाल व्यवस्था की गवाही देती है, जिसमें एक पूरी सड़क पर बड़ी संख्या में गौवंश खड़ा दिखाई दे रहा है। ऐसे हालात में दोपहिया वाहन चालक, स्कूली बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक खतरे में हैं। बारिश और रात के समय यह जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। नगरवासियों का कहना है कि वर्षों से समस्या बनी हुई है,नगर में कई बार सांडो की लडाई के दौरान कई राहगीर घायल हो चुके हैं , लेकिन न कोई ठोस अभियान चलाया गया और न ही ऐसी व्यवस्था बनाई गई जिससे बेसहारा गौवंश को सड़कों पर भटकने के बजाय उचित आश्रय स्थल मिले

आखिरी चेतावनीः आज नहीं मानी मांगें तो कल से जिला मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना

जहाजपुर तहसील में तीसरे दिन भी एक घंटे का सांकेतिक प्रदर्शन, सरकार के खिलाफ जताया रोष

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर। राजस्थान पटवार एवं राजस्व कर्मचारी संगठन के आह्वान पर अपनी तीन सूत्रीय मांगों को लेकर जहाजपुर तहसील में राजस्व कर्मियों का आंदोलन लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। बुधवार को दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक तहसील कार्यालय के बाहर कर्मचारियों ने सांकेतिक धरना देकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। धरने को संबोधित करते हुए संगठन के अध्यक्ष नारायण लाल धाकड़ ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर कई बार सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आज भी सरकार ने मांगों पर निर्णय नहीं लिया तो गुरुवार से जिला मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। धरने में मौजूद कर्मचारियों ने कहा कि उनकी तीन सूत्रीय मांगों में भयमुक्त कार्य वातावरण उपलब्ध कराना, निलंबित कर्मचारियों की बहाली तथा स्थानांतरित कर्मचारियों को कार्यमुक्त करने सहित अन्य लंबित मुद्दों का शीघ्र समाधान किया जाए। कर्मचारियों ने सरकार को चेताते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों की लगातार अनदेखी की गई तो आंदोलन को और अधिक व्यापक रूप दिया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी सरकार एवं प्रशासन की होगी।

जान हथेली पर रखकर सफर

मंगरोप-भीलवाड़ा रोड पर बिना नंबर के टेम्पो की छत पर बैठीं 7-8 महिलाएं,जिम्मेदारों की निगरानी पर सवाल

स्मार्ट हलचल

मंगरोप @ मुकेश खटीक। मंगरोप-भीलवाड़ा मार्ग पर यातायात नियमों की खुलेआम अनदेखी का मामला सामने आया है।कस्बे के बस स्टैंड से गुजर रहे एक बिना नंबर के चौपहिया टेम्पो की छत पर करीब 7 से 8 महिलाएं बैठकर सफर करती नजर आईं।इस दौरान टेम्पो सड़क पर दौड़ता रहा और महिलाएं जान जोखिम में डालकर छत पर बैठी रहीं। टेम्पो की छत पर यात्रियों को बैठाकर सफर करवाना न केवल बेहद खतरनाक है,बल्कि किसी भी समय बड़ा हादसा होने का

कारण बन सकता है।अचानक ब्रेक लगने,वाहन के अनियंत्रित होने या सड़क पर किसी अन्य वाहन से टक्कर होने की स्थिति में छत पर बैठी महिलाओं के गंभीर रूप से घायल होने की आशंका बनी रहती है।

नियमों की अनदेखी,कार्रवाई का इंतजार

सबसे गंभीर सवाल यह है कि बिना नंबर का वाहन सड़क पर कैसे दौड़ रहा है और उसमें यात्रियों को छत पर बैठाकर परिवहन क्यों किया जा रहा है?कस्बे के मुख्य बस स्टैंड से होकर गुजरने के बावजूद यदि इस तरह का वाहन जिम्मेदार विभागों की नजरों से निकल रहा है तो यातायात व्यवस्था और वाहन जांच की निगरानी पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे वाहनों में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। ऐसे में परिवहन एवं पुलिस विभाग को बिना नंबर और नियम विरुद्ध संचालित वाहनों की जांच कर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले इस तरह की लापरवाही पर रोक लग सके। अब सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार विभाग इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ऐसे वाहनों की जांच करेंगे या फिर किसी हादसे का इंतजार किया जाएगा?

श्रीमहावीरजी पुलिस ने 7.5 लाख की स्मैक के साथ तस्कर को दबोचा

30.011 ग्राम अवैध मादक पदार्थ बरामद, डीएसटी की संयुक्त कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

अजीम खान चिनायटा हिंडौनसिटी/ जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत श्रीमहावीरजी थाना पुलिस और डीएसटी टीम को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने नादौती मार्ग स्थित शहीद शिवनारायण मीणा स्मारक स्थल के पास दबिश देकर एक स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी पुरुषोत्तम लाल ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर की गई कार्रवाई में पालनपुर निवासी सुरज्ञान मीणा के कब्जे से 30 ग्राम 11 मिलीग्राम अवैध स्मैक बरामद की गई है। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 7.5 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी काफी समय से इलाके में नशे का कारोबार कर रहा था। पुलिस अब आरोपी से स्मैक की खरीद-फरोख्त और पूरे नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में जल्द ही और भी बड़े खुलासे होने की संभावना है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशा तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है।

महिला सुरक्षा को लेकर भीलवाड़ा पुलिस का जनजागरण अभियान, कालिका पेट्रोलिंग व महिला बीट अधिकारी योजना की दी जानकारी

महिला पुलिसकर्मियों से संवाद, शहर में पैदल मार्च व वाहन रैली निकालकर हेल्पलाइन और कानूनों के प्रति किया जागरूक

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। महिला सुरक्षा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन भीलवाड़ा में राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सुरक्षा से जुड़े मुद्दों तथा राजस्थान पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी आमजन और पुलिसकर्मियों तक पहुंचाना रहा। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा (आईपीएस) के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम में जिले की महिला पुलिसकर्मियों से संवाद किया गया। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़, स्टॉकिंग एवं महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अन्य अपराधों की रोकथाम के

लिए कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की एसओपी तथा महिला बीट अधिकारी योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके बाद कालिका पेट्रोलिंग यूनिट एवं महिला पुलिसकर्मियों ने भीलवाड़ा शहर में पैदल मार्च और वाहन रैली निकालकर आमजन को महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों एवं सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। शहर के प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में लोगों को राजकॉप (RajCop) ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित किया गया तथा महिला गरिमा हेल्पलाइन 1090, साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं पुलिस आपातकालीन हेल्पलाइन 112 की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) राजेश आर्य, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित कुमार (SIU-CAW), पुलिस उप अधीक्षक शिल्पा भादविया (SIUCAW) सहित महिला पुलिस अधिकारी पुष्पा कासोटिया एवं मेघना त्रिपाठी सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के भरोसे मांडलगढ़ नगरपालिका अधिकारियों व कार्मिकों के अभाव में आमजन परेशान,आवश्यक कार्य अटके

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़ नगरपालिका में लंबे समय से कई अधिकारियों व कर्मचारियों के पद रिक्त होने से शहरवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । वर्तमान में नगरपालिका केवल चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के भरोसे संचालित है जिसमे ये कार्मिक पालिका परिसर की साफ-सफाई कर पीने का पानी जुटाकर परिसर में हर समय

अधिकारी व कार्मिकों के आभा में बैठे पाए जाते है।नगरवासी लादूलाल माली,भरत खटीक,जगदीश बलाई सहित अन्य नगरवासियों ने बताया कि नगरपालिका में नगरवासियों के आवश्यक कार्य समय पर अधिकारियों व कार्मिकों के अभाव में सम्पादित नही हो पा रहे है जिसके चलते नगरवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विदित रहे कि नगरपालिका में अधिशासी अधिकारी,एक कनिष्ठ लेखा अधिकारी,दो वरिष्ठ सहायक,चार कनिष्ठ सहायक,एक कनिष्ठ अभियंता,एक कर सहायक,एक फायरमैन सहित अन्य पद रिक्त चल रहे है जिसके चलते नगरपालिका में दिनभर सन्नाटा पसरा रहता है। समस्या से विधायक गोपाल खंडेलवाल को नगरवासियों द्वारा अवगत कराए जाने के बाद भी समस्या का समाधान नही हो पा रहा है।नगरवासियों ने नगरपालिका में रिक्त अधिकारी व कार्मिकों के पदों को जल्द भरवाने की मांग की है। उधर नगरपालिका में उक्त पदों के रिक्त होने से नगरवासियों के आवश्यक कार्यो में निर्माण स्वीकृति, नामांतरण,पुष्तैनी पट्टा, आवास योजना सहित अन्य कार्यो का सम्पादन समय पर हो पा रहा है जिसके चलते नगरवासी परेशान है।

वर्जन-

मांडलगढ़ नगरपालिका कार्यालय में सभी पद रिक्त है,मामले को गम्भीरता से लेते हुए जल्द रिक्त पदों की पूर्ति करवाकर आमजन को समस्या से राहत प्रदान करवाई जायेगी-

गोपाल खंडेलवाल, विधायक विधानसभा क्षेत्र मांडलगढ़।

प्रधानमंत्री आवासीय योजना ग्रामीण में करोड़ों का घोटालाः अपात्रों की मौज, पात्र सड़कों पर

'जन्म से कच्चे मकान में रह रहे हैं' फिर भी काट दिया नाम, मिलने वाले को बांटे आवास...

ग्राम पंचायत सेथुरिया में नियम तार-तार, सूची तक नहीं चस्पा

स्मार्ट हलचल

गुरलाः-(बद्री लाल माली) ग्राम पंचायत सेथुरिया के सोपुरा गांव में मजाक बना दिया गया। योजना का उद्देश्य था '2026 तक हर गरीब को पक्का घर '। लेकिन यहां हुआ इसका उल्टा। पात्र गरीबों को योजना से बाहर कर दिया गया और अपात्रों व रिश्तेदारों को लाखों का लाभ पहुंचा दिया गया। पूरे खेल में पारदर्शिता के सारे नियम ताक पर रख दिए गए।

'हम जन्म से कच्चे मकान में हैं, फिर भी नाम नहीं'

ग्राम पंचायत सेथुरिया के सोपुरा गांव निवासी नाना देवी रतन पुरी गोस्वामी व शान्ति देवी भैरुं पुरी गोस्वामी की आंखें भर आईं। उन्होंने बताया 'साहब हमारा पूरा खानदान जन्म से ही कच्चे मकान में रह रहा है। बरसात में जगह-जगह से पानी टपकता है। बच्चे बीमार पड़

जाते हैं। हमने कई बार प्रधानमंत्री आवासीय योजना ग्रामीण के लिए आवेदन किया। पंचायत में लेकिन जब फाइनल सूची आई तो उसमें हमारा नाम ही गायब था।' उनका आरोप है कि उनके जैसे दर्जनों पात्र परिवारों को जानबूझकर सूची से बाहर किया गया।

'अनाथ हूं, फिर भी पात्रता से वंचित'

सोपुरा के कन्हैया पुरी ने बताया कि बचपन से ही अनाथ हैं। कच्चे मकान में परिवार के साथ रहते हैं। प्रधानमंत्री आवासीय योजना ग्रामीण के लिए पात्रता के सारे मापदंड पूरे करने के बावजूद उनका नाम सूची से गायब है। 'सरकार से आस लगाई थी कि एक पक्का घर मिलेगा। लेकिन यहां भी अपनों की सिफारिश चलती है। हम जैसे गरीबों की कोई नहीं सुनता' - कन्हैया पुरी

सूची नहीं चस्पाः नियम कहता है चयनित सूची 15 दिन पंचायत पर लगे।सेथुरिया पंचायत में आज तक नहीं लगी। ग्राम सभा दिखावाः बैठक हुई लेकिन आम जनता को बुलाया ही नहीं गया। सिर्फ कागजों में खानापूर्ति।

अपात्रों को लाभः जिनके पहले से पक्के मकान हैं, उनके नाम जोड़ दिए गए। पात्रों को हटायाः असली गरीब, विधवा, दिव्यांग और कच्चे मकान वालों के नाम काट दिए गए।

आरोपः कमीशन का खेल ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि यह पूरा खेल 'कमीशन' के लिए हुआ। अपात्रों से पैसे लेकर उनके नाम जोड़े गए और इसी लालच में असली हकदार ठंड, गर्मी और बरसात में कच्चे मकानों में सड़ने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों में आक्रोश, जांच की मांग सोपुरा सहित आसपास के गांवों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जांच नहीं हुई तो कलेक्टर कार्यालय के सामने धरना दिया जाएगा।पीड़ितों ने जिला कलेक्टर भीलवाड़ा, CEO जिला परिषद और मंत्री महोदय से मांग की है कि सेथुरिया पंचायत की प्रधान मंत्री ग्रामीण आवासीय योजना ग्रामीण। की जांच करवाई जाए। सरपंच, सचिव और अन्य कर्मचारियों पर कार्रवाई हो और पात्रों को तुरंत आवास आवंटित किए जाएं।

सेठ मुरलीधर मानसिंह का कन्या विद्यालय की प्रिंसिपल बिश्नोई भरतपुर में सम्मानित

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा/बेटियों के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम हेतु सेठ मुरलीधर मानसिंहका कन्या विद्यालय भीलवाड़ा की प्रिंसिपल सुषमा बिश्नोई का निदेशालय द्वारा चयन के बाद आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर खेजड़ी गुर्जर जिला भरतपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा

प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बताया जा रहा है की इस दौरान शिक्षा मंत्री, अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ राजेश यादव, निदेशक माध्यमिक शिक्षा सीताराम जाट भी मौजूद रहे।

'गुरु हैं तो हम हैं, गुरु नहीं तो जीवन दिशाहीन' : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

गुरु पूर्णिमा पर शांतिभवन में विशाल धर्मसभा, गुरु-तत्व के प्रति कृतज्ञता और चातुर्मास में आत्मसाधना के संकल्प ..

स्मार्ट हलचल

पुनित चपलोत भीलवाड़ा, 'गुरु हैं तो हम हैं, गुरु नहीं तो जीवन दिशाहीन हो जाता है। गुरु हमेशा हमारे साथ नहीं रहेंगे, इसलिए उनके सान्निध्य में रहते हुए उनके संकेतों को समझना और उनके दिए ज्ञान को जीवन में उतारना ही सच्ची गुरु-सेवा है। गुरु पूर्णिमा केवल गुरु का अभिनंदन करने का पर्व नहीं, बल्कि शिष्य के भीतर गुरु-तत्व के प्रति कृतज्ञता, श्रद्धा और अहोभाव जागृत करने का पावन अवसर है। गुरु ज्ञान का प्रकाश देने वाले, मार्गदर्शक और पथप्रदर्शक होते हैं।' यह उद्बोधन शांतिभवन में गुरु पूर्णिमा एवं वर्षावास प्रारंभ के अवसर पर आयोजित विशाल धर्मसभा मे श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी महाराज ने दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति मूलतः कृषि प्रधान और ऋषि प्रधान रही है। जिस प्रकार आषाढ़ आते ही किसान खेत को तैयार कर उसमें बीज बोता है, उसी प्रकार वर्षावास का यह अवसर मनुष्य के भीतर सद्गुणों और आत्मजागरण के बीज बोने का समय है। बाहरी खेत में बोया गया बीज भविष्य में फसल देता है, लेकिन आत्मा की भूमि में बोया गया सत्संकल्प जीवन की दिशा बदल सकता है। युवाचार्यश्री ने कहा कि गुरु पूर्णिमा का नाम भले ही गुरु के नाम पर है, लेकिन वास्तव में यह शिष्य के अंतर्मन का पर्व है। यह वह दिन है जब शिष्य अपने जीवन में गुरु के योगदान को पहचानता है और कृतज्ञता के भाव से गुरु-तत्व का स्मरण करता है। गुरु का महत्व केवल इसलिए नहीं है कि वे हमें बहुत कुछ बताते हैं, बल्कि इसलिए है कि वे हमें देखना, समझना और सही दिशा में आगे बढ़ना सिखाते हैं। उन्होंने ऋषि शब्द की व्याख्या करते हुए कहा कि ऋषि केवल कोई नाम या परंपरा नहीं, बल्कि द्रष्टा का प्रतीक है जो सत्य को देखता है, उसे जानता है, समझता है और समाज के सामने प्रकट करता है। भारतीय परंपरा में ऋषियों ने ज्ञान का प्रकाश जन-जन तक पहुंचाया। इसलिए गुरु पूर्णिमा ऋषि- परंपरा के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का भी अवसर है। युवाचार्यश्री ने कहा कि गुरु ज्ञान प्रकाश के समान है। जिस प्रकार अंधकार में कुछ दिखाई नहीं देता, उसी प्रकार अज्ञान के अंधकार में जीवन की सही दिशा स्पष्ट नहीं होती। गुरु ज्ञान का प्रकाश देकर बताते हैं कि हमें किस दिशा में आगे बढ़ना है। गुरु हमारे जीवन के उस संकेतक की तरह हैं, जो रास्ता स्वयं तय नहीं करता, लेकिन सही मार्ग की ओर संकेत अवश्य करता है। उन्होंने कहा कि गुरु-सेवा का अर्थ केवल गुरु की इच्छा पूरी करना या बाहरी रूप से उनकी सेवा करना नहीं है। गुरु-सेवा का पहला स्वरूप गुरु के सान्निध्य में रहना है, दूसरा उनके वचनों को एकाग्रता से सुनना और तीसरा उनके संकेतों को समझकर जीवन में उतारना है। गुरु के पास बैठकर भी यदि हमारा ध्यान कहीं और है, तो गुरु-सान्निध्य का वास्तविक लाभ नहीं मिल सकता। सच्चा शिष्य वही है जो गुरु के शब्दों के साथ-साथ उनके मौन संकेतों को भी समझ सके। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने गुरुदेव के सान्निध्य में रहते हुए जो सीखा, उसमें बहुत कुछ केवल उनके उपदेशों से नहीं, बल्कि उनके आचरण और संकेतों को देखकर सीखा। गुरु कई बार बहुत कम शब्दों में ऐसी बात कह जाते हैं, जो शिष्य के जीवनभर काम आती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि शिष्य में उस संकेत को ग्रहण करने की पात्रता हो। युवाचार्यश्री ने कहा कि गुरु का सान्निध्य जीवन को दिशा देता है, लेकिन गुरु हमेशा हमारे साथ रहें, यह संभव नहीं। इसलिए जब गुरु प्रत्यक्ष रूप से उपलब्ध न हों, तब अनुभवीजनों और वरिष्ठों का सान्निध्य तथा सेवा जीवन को सही दिशा देने में सहायक बनती है। जो विनम्रतापूर्वक वृद्धों और अनुभवीजनों की सेवा करता है, उसकी आयु, विद्या, यश और सामर्थ्य में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि गुरु के सान्निध्य में रहकर उनके संकेतों को समझना और उनके बताए मार्ग पर आगे बढ़ना ही शिष्यत्व की सार्थकता है। गुरु हमेशा उपलब्ध नहीं रहेंगे, इसलिए गुरु से प्राप्त ज्ञान और संस्कारों को जीवन में उतारना आवश्यक है। स्वाध्याय के माध्यम से ज्ञान को निरंतर पुष्ट करना और सत्संगति के माध्यम से उसे जीवन में उतारना चाहिए। अज्ञान, विषयासक्ति और लोभ को बढ़ाने वाली संगति से दूर रहकर सज्जनों का सान्निध्य और स्वाध्याय अपनाना चाहिए। युवाचार्यश्री ने चातुर्मास को आत्मसाधना, संयम और संकल्प का अवसर बताते हुए कहा कि इस अवसर को यूं ही बीतने नहीं देना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार तप, एकासन, रात्रिभोजन अथवा अनावश्यक खान-पान से विरति, मोबाइल और मनोरंजन के अतिरेक से बचने जैसे संकल्प लेकर आत्मसंयम की दिशा में आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि साधना में गुरु केवल निमित्त होते हैं, वास्तविक शक्ति शिष्य के अपने संकल्प में होती है। इसलिए गुरु पूर्णिमा और वर्षावास के इस पावन अवसर पर प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार ऐसा सत्संकल्प करे, जो उसके जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सके। जीवन में अवसर बार-बार नहीं आते। बीता हुआ अवसर लौटकर नहीं आता। इसलिए इन चार महीनों को केवल समय बिताने के लिए नहीं, बल्कि परमात्मा के वचनों को समझने, स्वाध्याय करने, आत्मचिंतन और संयम के साथ जीवन को सही दिशा देने के लिए सार्थक बनाएं। युवाचार्यश्री ने आह्वान करते हुए कहा कि चातुर्मास की साधना में अधिकाधिक सहभागी बनें और परमात्मा के वचनों एवं सूत्रों को समझने का प्रयास करें। संभव है, कोई एक छोटा-सा सूत्र भी हमारे जीवन को नई और सही दिशा दे दे। गुरु से मिली यही प्रेरणा और ज्ञान जब जीवन में उतरता है, तभी गुरु के प्रति सच्ची कृतज्ञता सार्थक होती है। उन्होंने कहा कि गुरु का सान्निध्य जीवन में हमेशा उपलब्ध हो, यह आवश्यक नहीं; लेकिन गुरु से मिला ज्ञान, संस्कार और दिशा जीवनभर साथ रह सकती है। गुरु के प्रति सच्ची कृतज्ञता यही है कि उनके बताए मार्ग पर चलकर अपने जीवन को ऐसा बनाएं कि गुरु से मिला प्रकाश केवल हमारे भीतर न रहे, बल्कि हमारे आचरण से दूसरों के जीवन तक भी पहुंचे। सभा के प्रारंभ में साध्वी चिंतनश्री ने कहा कि गुरु के बिना जीवन शून्य है, गुरु के सान्निध्य से ही जीवन को पूर्णता की दिशा मिलती है। गुरु अज्ञान के अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश देते हैं और जीवन को सही मार्ग पर अग्रसर करते हैं। गुरु के प्रति समर्पण और गुरुचरणों में अटूट लगन ही साधना को सार्थक बनाती है। शांतिभवन आनंद अनुभूति चातुर्मास के मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि धर्मसभा में सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने सामूहिक रूप से दो एवं तीन उपवास सहित विभिन्न तप के प्रत्याख्यान युवाचार्यश्री से ग्रहण किए। सभा में यशोदिप्ती मधुकंवरजी, उपप्रवर्तिनी दिव्य ज्योतिजी, महासती सुचेताजी,साध्वी प्रियू दर्शनाजी सहित साधु-साध्वीवृंद का सान्निध्य रहा। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शहर के विभिन्न श्रीसंघों सहित देश के अनेक प्रांतों से आए बड़ी संख्या में गुरुभक्तों ने युवाचार्यश्री से मंगलपाठ एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

वर्षों से फरार चल रहे दो वांछित अपराधियों को किया गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ(दीपक राठौर) बिजौलियाँ पुलिस द्वारा वर्षों पुराने वांछित अपराधियों की धर - पकड़ कार्यवाही के दौरान दो वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया जिसमे करीब 25 सालों से फरार चल रहे स्थाई वारंटी मदनलाल बंजारा उम्र 56 वर्ष रणछोरपूरा निवासी चित्तौड़गढ़ को खेत से गिरफ्तार किया गया मदन लाल बंजारा आबकारी अधिनियम के एक प्रकरण व मारपीट के दो प्रकरणों में फरार चल रहा था

वही एक्सीडेंट प्रकरण में करीब 20 सालों से फरार चल रहे रामलाल शर्मा उम्र 60 वर्ष को किराए के मकान बस्सी जिला चित्तौड़गढ़ से गिरफ्तार किया गया उक्त कार्रवाई में थाना अधिकारी स्वागत पाड़्या, सहायक उप निरीक्षक सुनील बेनीवाल, हेड कांस्टेबल सुनील चाहर, कांस्टेबल शिवपाल,हेमाराम, विनोद की भूमिका रही धर -पकड़ कार्यवाही के दौरान कांस्टेबल हेमाराम और शिवपाल की विशेष भूमिका रही

राबाउमावि हमीरगढ़ में 'मिशन पढ़ो राजस्थान' का शुभारंभ व 'गुरु वंदन' कार्यक्रम आयोजित

स्मार्ट हलचल

हमीरगढ़ । राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 की अनुशंसा अनुसार वर्ष 2026-27 तक बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान (FLN) के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु 'निपुण भारत मिशन' के अंतर्गत कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों में पठन कौशल विकसित करने के लिए 'मिशन पढ़ो राजस्थान' (Read-a-thon) का शुभारंभ 29 जुलाई को स्थानीय राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, हमीरगढ़ में किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेश कुमार जादरा ने बताया कि इस Read-a-thon कार्यक्रम के साथ ही गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर 'गुरु वंदन' कार्यक्रम का आयोजन भी गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। अतिथियों का मार्गदर्शन: कार्यक्रम में मुख्य वक्ता उपखंड अधिकारी (SDM) श्री झवर लाल मित्तल ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु की महिमा पर प्रकाश डाला तथा राजस्थान सरकार द्वारा बालिकाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी दी। जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) श्री रामेश्वर लाल जीनगर ने कक्षा 1 से 8 तक की छात्राओं में पठन कौशल को विकसित करने और इसके शैक्षणिक महत्व को रेखांकित किया। वहीं, तहसीलदार भंवरलाल सेन ने छात्राओं को उत्तम चरित्र निर्माण के साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि समाजसेवी अशोक जीचौहान की गरिमामय उपस्थिति रही वह बालिकाओं को लक्ष्य निर्धारण कर जीवन में प्रगति का संदेश दिया इस कार्यक्रम मेंलगभग 265 छात्राएं, 27 अभिभावक, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन विद्यालय की व्याख्याता नीलम चौहान द्वारा किया गया।

आज से सावन माह का आरंभ, महीने भर होगी शिवालयों में भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना ओर अनुष्ठान, गूंजेंगे बम बम भोले के जयकारे

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । भगवान भोलेनाथ की आराधना का सबसे पवित्र और फलदायी समय श्रावण मास यानी सावन माना जाता है । साल 2026 में सावन का महीना 30 जुलाई, बृहस्पतिवार से शुरू होकर 28 अगस्त 2026 को श्रावण पूर्णिमा के साथ समाप्त होगा द्य बृहस्पतिवार का दिन स्वयं में बेहद शुभ माना जाता है, ऐसे में इस दिन सावन की शुरुआत होना इसे और अधिक खास बना देता है द्य सावन के पहले दिन श्रवण नक्षत्र का संयोग, आयुष्मान योग, शश महापुरुष राजयोग, हंस राजयोग और गुरु-आदित्य राजयोग बन रहे है. जिसमें महादेव की पूजा करना बहुत ही विशेष माना जा रहा है द्य सावन का पूरा एक महीना भगवान शिव की पूजा, साधना और कृपा प्राप्त करने के लिए अत्यंत उत्तम माना जाता है । इस बार सावन में कुल चार सोमवार पड़ रहे हैं, जो भगवान शिव को समर्पित होते हैं द्य इन दिनों में रुद्राभिषेक करने का विशेष महत्व होता है ।

सावन के सोमवार इस प्रकार हैं

पहला सोमवार: 3 अगस्त 2026

दूसरा सोमवार: 10 अगस्त 2026

तीसरा सोमवार: 17 अगस्त 2026

चौथा सोमवार: 24 अगस्त 2026

सावन 2026 के पहले दिन शुभ संयोग.. ओर प्रमुख तिथियां ..

सावन शिवरात्रि: 11 अगस्त 2026,हरियाली अमावस्या: 12 अगस्त 2026,हरियाली तीज: 15 अगस्त 2026,नाग पंचमी: 17 अगस्त 2026,रक्षाबंधन / श्रावण पूर्णिमा: 28 अगस्त 2026

पूजन करने के महुर्त..

ब्रह्म मुहूर्त- सुबह 4 बजकर 36 मिनट से लेकर सुबह 5 बजकर 24 मिनट तक

अभिजीत मुहूर्त- दोपहर 12 बजकर 20 मिनट से लेकर 1 बजकर 12 मिनट तक

शिव पूजा मुहूर्त - सुबह 10 बजकर 46 मिनट से लेकर दोपहर 3 बजकर 50 मिनट तक

प्रदोष काल मुहूर्त - शाम 5 बजकर 32 मिनट से लेकर रात 8 बजकर 30 मिनट तक

विजय मुहूर्त- शाम 04 बजकर 28 मिनट से लेकर शाम 05 बजकर 29 मिनट तक रहेगा

सावन के पूरे महीने में प्रतिदिन भगवान शिव को जल, दूध और बेलपत्र अर्पित करना चाहिए, यदि संभव हो तो मंदिर जाकर पूजा करें, अन्यथा घर पर भी पूरी श्रद्धा के साथ पूजन किया जा सकता है द्य सावन महीने में पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में आने वाली समस्याएं दूर होती है,जिनके विवाह में दिक्कत है उनकी समस्या का निराकरण होता है,व्यापार में बढ़ोतरी होती है परिवार में सुख शांति व समृद्धि की प्राप्ति होती है

पटवारी हरदेव बैरवा की बर्खास्तगी के विरोध में तीसरे दिन भी धरना, पटवारियों ने बांधी काली पट्टी

स्मार्ट हलचल

हमीरगढ़ । पटवारी हरदेव लाल बैरवा की नियमों के विपरीत बर्खास्तगी, कार्मिकों के उत्पीड़न एवं जिला प्रशासन के कथित तानाशाही रवैये के विरोध में राजस्थान पटवार एवं कानूनगो संघ का आंदोलन लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। उपशाखा हमीरगढ़ के पटवारियों एवं गिरदावरों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। पटवार संघ उपशाखा अध्यक्ष पटवारी दिनेश कुमार ने बताया कि संगठन की ओर से दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक सांकेतिक धरना देकर कार्य बहिष्कार किया गया। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराया। संघ की प्रमुख मांगों में पटवारी हरदेव बैरवा प्रकरण की समीक्षा कराना शामिल है। संगठन ने मांग की है कि तय समयावधि से पहले निलंबित कर बर्खास्त किए गए पटवारी हरदेव बैरवा के मामले में सीसीए नियम 24 के तहत पुनर्विचार के लिए संभागीय आयुक्त, अजमेर को पत्र लिखा जाए। इसके अलावा बिना कारण की जा रही विभागीय जांचों को वापस लेने तथा निलंबित कार्मिकों को तत्काल बहाल करने की मांग भी उठाई गई। संगठन ने गृह जिलों में स्थानांतरित कार्मिकों को बिना किसी पक्षपात के शीघ्र कार्यमुक्त करने की मांग की। पटवार संघ ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते मांगों का समाधान नहीं किया गया तो जिलेभर में संपूर्ण कार्य बहिष्कार किया जाएगा। सांकेतिक धरने में हमीरगढ़ तहसील के गिरदावर सत्यनारायण एवं बृजभूषण तथा पटवारी दिनेश, गोविंद, अभिषेक, दीपक, नवरत्न, कौशल्या, चंचल एवं कोमल सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। इस दौरान कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी कर अपनी मांगों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन किया।

शम्भुगढ़ अस्पताल में चिकित्सक नहीं होने के कारण रोगियों को उठानी पड़ रही है भारी परेशानी

स्मार्ट हलचल

शंभूगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में रोगियों के लिए व्यवस्थाओं का आलम यह है कि प्रतिदिन 180 से 200 ओपीडी होने के बावजूद अस्पताल में स्थाई चिकित्सक का पद रिक्त होने के कारण उपचार हेतु आने वाले रोगियों को इलाज करवाने में भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पताल का मुख्य गेट बंद रहने से मरीजों में असमंजस।

रोजाना ओपीडी बंद होने के साथ ही चिकित्सालय का मुख्य दरवाजा दोपहर 2:00 बजे के बाद अस्पताल प्रशासन द्वारा बंद कर दिया जाता है जिसके कारण आपातकालीन स्थिति में पहुंचने वाले रोगियों को भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। आपातकालीन स्थिति में रोगी सोचते हैं कि अस्पताल तो बंद है इसलिए वह इलाज के लिए भटकना पड़ता है। स्थानीय ग्रामीणों की मांग है कि शम्भुगढ़ अस्पताल पर आसपास के गांवों की लगभग 25 हजार की आबादी चिकित्सा सुविधा के लिए निर्भर है । ग्रामीणों की मांग है अस्पताल में महिला चिकित्सक नहीं होने के कारण प्रसुताओं को उचित उपचार नहीं मिल पाता है साथ प्रसव के समय भी बिना महिला चिकित्सक के समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जिला प्रशासन से कई बार ज्ञापन सौंपा गया है लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। राष्ट्रीय राजमार्ग 148 ष्ठ के नजदीक होने के बावजूद शम्भुगढ़ अस्पताल 108 आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा से वंचित। शम्भुगढ़ कस्बा राष्ट्रीय राजमार्ग 148 ष्ठ के नजदीक होने के कारण यहां आए दिन सड़क हादसे होते हैं उस स्थिति में गंभीर दुर्घटनाग्रस्त मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता हैं ऐसे में कई बार मौत तक हो जाती हैं। इसलिए शंभूगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर 108 एंबुलेंस सेवा शुरू करने की मांग पूरी की जाए इससे आसपास के ग्रामीणों को शीघ्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

तीन दिन से अंधेरे में आधा गांव, ट्रांसफार्मर खराब होने से बिजली संकट गहराया

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक खजूरीक्षेत्र के उरना गांव के बलाई मोहल्ले में पिछले तीन दिनों से विद्युत ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण आधे गांव की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप पड़ी हुई है। लगातार बिजली नहीं मिलने से ग्रामीणों को भीषण गर्मी और रात के अंधेरे में रहने के साथ पेयजल, घरेलू कार्यों तथा बच्चों की पढ़ाई में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब होने की सूचना तुरंत विद्युत विभाग को दे दी गई थी, लेकिन तीन दिन बीत जाने के बावजूद विभाग की ओर से न तो ट्रांसफार्मर बदला गया और न ही बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए कोई ठोस कार्रवाई की गई। इससे ग्रामीणों में विभाग के प्रति नाराजगी लगातार बढ़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली नहीं होने से पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है, वहीं छोटे बच्चों, बुजुर्गों और किसानों को भी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से तत्काल नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति सुचारु करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे विद्युत विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे

गुरु पूर्णिमा पर माहेश्वरी महिला संगठन ने किया गुरुजनों का सम्मान, दिव्यांग बच्चों संग बांटी खुशियां

सेवाश्रम बौद्धिक दिव्यांग विशेष विद्यालय में शिक्षकों का सम्मान, बच्चों को कराया भोजन व वितरित की स्टेशनरी

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (पंकज पोरवाल)। जिला माहेश्वरी महिला संगठन भीलवाड़ा द्वारा बुधवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सेवाश्रम बौद्धिक दिव्यांग विशेष विद्यालय, चंद्रशेखर आजाद नगर में श्रद्धा, सेवा और सम्मान के भाव के साथ 'गुरु वंदन-अभिनंदन समारोह' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के गुरुजनों का सम्मान कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई तथा दिव्यांग बच्चों के साथ सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु वंदन के साथ हुई। विद्यालय के बौद्धिक दिव्यांग बच्चों ने मंत्र एवं श्लोक वाचन कर सभी को भावविभोर कर दिया। इसके बाद बच्चों ने योग एवं प्राणायाम की प्रेरणादायी प्रस्तुति दी। संगठन की ओर से सभी बच्चों को एक समय का भोजन कराया गया तथा स्टेशनरी सामग्री वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समारोह की मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की कोषाध्यक्ष ममता मोदानी तथा विशिष्ट अतिथि दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की प्रदेशाध्यक्ष सीमा कोगटा रहीं। सेवाश्रम बौद्धिक दिव्यांग विशेष विद्यालय, अध्यक्षा मधु काबरा ने सेवाश्रम की स्थापना के उद्देश्य, दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित विभिन्न गतिविधियों तथा सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। जिलाध्यक्ष भारती बाहेती ने बताया कि मुख्य अतिथि ममता मोदानी ने सेवा भाव से संचालित विद्यालय की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए संचालक मंडल के कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन जिला सचिव निशा कांकाणी ने किया। जिला प्रकल्प प्रमुख डॉ. चेतना जागेटिया तथा बाल एवं ग्राम विकास समिति की जिला सह-संयोजिका रेखा लढ़ा ने उपस्थित सभी अतिथियों, गुरुजनों एवं संगठन की बहनों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष मोना डाड, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य मान कंवर काबरा, बाल एवं ग्राम विकास समिति की सह प्रभारी मधु काबरा, जिला उपाध्यक्ष राखी राठी, जिला संयुक्त मंत्री रीना डाड, मीनू रंधावर, वीणा मोदी, विनीता तोषणीवाल, वंदना नवाल, अनु मोदी, राधा न्याती, मधु समदानी, रंजना बिड़ला, चंदा जागेटिया, सुमन असावा एवं ललिता राठी सहित संगठन की अनेक सदस्याएं उपस्थित रहीं। सभी की गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम सेवा, संस्कार और गुरु सम्मान का प्रेरक उदाहरण बन गया।

नगर परिषद की जनविरोधी कार्यप्रणाली के खिलाफ कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन; आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

मांगें पूरी न होने पर सुभाष उद्यान तालाब में 'जल समाधि' आंदोलन की दी चेतावनी

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। ब्यावर नगर परिषद क्षेत्र एवं परिसीमन के तहत जुड़े नए ग्रामीण क्षेत्रों में व्याप्त गंभीर जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, ब्यावर के तत्वावधान में नगर परिषद परिसर के बाहर विशाल जनआक्रोश प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन में कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भाग लेकर नगर परिषद की कार्यप्रणाली के प्रति अपना तीव्र रोष व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान नागरिकों के आक्रोश को देखते हुए नगर परिषद आयुक्त श्रीमती कीर्ति कुमावत प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्वयं धरना स्थल पर पहुँचीं। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, ब्यावर के अध्यक्ष एडवोकेट अजय शर्मा के नेतृत्व में उन्हें एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु समयबद्ध कार्रवाई की मांग की गई।

ज्ञापन में उठाई गई प्रमुख मांगें:

नगर की जर्जर एवं गड्ढायुक्त सड़कों की तुरंत मरम्मत।

बदहाल सफाई व्यवस्था, जाम नालियों से जलभराव एवं आवारा पशुओं की समस्या का स्थाई समाधान।

बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को चालू करना तथा सुभाष उद्यान तालाब से जलकुंभी हटाना।

सीवरेज परियोजना के प्रथम चरण के अधूरे एवं अव्यवस्थित कार्यों को पूरा करना।

सेवाओं में सुधार किए बिना वसूले जा रहे ?50 प्रतिमाह कचरा शुल्क पर तत्काल रोक।

वर्ष 2018 में नियुक्त सफाई कर्मचारियों से उनके मूल पद के अनुरूप कार्य लिया जाना।

परिसीमन से जुड़े नए ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना एवं विकास कार्यों में पारदर्शिता लागू करना।

नेताओं ने साधा नगर परिषद प्रशासन पर निशाना

धरने को संबोधित करते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट अजय शर्मा ने कहा:

'कांग्रेस का यह आंदोलन किसी राजनीतिक स्वार्थ से नहीं, बल्कि ब्यावर की जनता के मूलभूत अधिकारों और प्रशासनिक जवाबदेही के लिए है। यदि प्रशासन ने समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए, तो वे स्वयं और सैकड़ों कार्यकर्ता सुभाष उद्यान तालाब में जल समाधि लेंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। '

सभा को संबोधित करते हुए खनन विभाग प्रदेशाध्यक्ष आशीष पाल पदावत, विधानसभा प्रत्याशी पारस पंच, पूर्व सभापति डॉ. मुकेश मौर्य, मुकेश सोलंकी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष दलपत मेवाड़ा, नगर अध्यक्ष भरत बाघमार, पूर्व प्रधान लाल मोहम्मद, एडवोकेट घनश्याम फुलवारी, मुकेश लखन, जीवराज जावा एवं मेघराज बोहरा ने कहा कि नगर परिषद की उदासीनता के कारण ब्यावर की जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है और कांग्रेस जनता की आवाज बनकर समाधान होने तक यह संघर्ष जारी रखेगी।

प्रदर्शन में ये सभी रहे उपस्थित:

प्रदर्शन के दौरान जवाजा ब्लॉक अध्यक्ष धरमसिंह भाटी, दिनेश पाल पदावत, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अजमत काठात, नगर अध्यक्ष भरत बाघमार, पूर्व प्रधान लाल मोहम्मद, बशीर मोहम्मद, पुष्पांजलि पारीक, हारून छीपा, गोपाल डाणी, अजय मूंदड़ा, अश्विनी प्रजापत, बृजवल्लभ पाराशर, नारायण मेहरड़ा, शोभा चौधरी, मैमूना बानो, यशोदा गुर्जर, अशरफ़ काठात, मजीद कुरेशी, रोहित गोयल, फ़ौजी सोहन काठात, फ़तहसिंह राठौड़, शकूर काठात, रमेश पन्नू, महबूब काठात, दीना काठात, हाकिम भाई, हनुमान सांखला, हरीश सांखला, विक्रान्त यादव, एवं रोशन काठात सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं व नगरवासियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई।

रायपुर में 9 माह पूर्व बनी नई सड़क को जलदाय विभाग ने बिना NOC तोड़ा

PWD अधिकारी बोले-जलदाय के अधिकारियों ने बिना बताए रोड़ तोड़ी, जलदाय विभाग के खिलाफ करेंगे कार्यवाही

स्मार्ट हलचल

रायपुर । रायपुर के पुराने पेट्रोल पंप से केमुनिया गांव तक बनी सार्वजनिक निर्माण विभाग की मुख्य सड़क को बने हुए हाल ही में नो माह ही हुए हैं मगर जलदाय विभाग के अल्प शिक्षित पंप चालक सुरेश नाथ द्वारा उच्च गुणवत्ता वाली सड़क को मशीनरी ड्रिल चलाकर तोड़ दिया। इस संबंध में जलदाय विभाग के एईएन कुल गौरव राठौड़ से संपर्क साधना चाहा मगर फोन रिसीव नहीं किया। फिर सार्वजनिक निर्माण विभाग के एईएन ऋषिकांत बैरवा से जाना तो बताया कि रोड तोड़ने सूचना किसी भी विभाग द्वारा किसी प्रकार की एनओसी नहीं ली गई। अगर ऐसे तोड़ा है तो दोषी के खिलाफ कानून सम्मत कार्यवाही करने हेतु उच्च अधिकारियों को पत्र लिखा जाएगा और दोषी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। मोहल्ले वासियों का कहना है कि वर्षों से खस्ताहाल पड़ी सड़क निर्माण को जिला कलेक्टर को लिखित बार बार निवेदन दिया था उस समय के तत्कालीन जिला कलेक्टर निमित्त मेहता द्वारा डीएमएफटी फंड से एक रोड 79 लाख की लागत से उच्च गुणवत्ता वाली सड़क सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई जो बहुत ही अच्छी बनी मगर जलदाय विभाग के पंप चालक अल्प शिक्षित जो गांव में कहीं भी बिना एनओसी बिना सूचना दिए, जगह जगह गड्ढे करता रहता है। उसने इसी तरह अपनी हठकर्मिता के चलते सार्वजनिक निर्माण विभाग की सड़क को भी पूरे दिन की कड़ी मशक्कत करते हुए तोड़ दिया है और विभाग मूकदर्शक बन गया अब देखना है कि दोषी के खिलाफ विभाग कोई कार्यवाही करता है या कार्यवाही ठंडे बस्ते में जाती है।

राजगढ़ धाम पर उमड़ा 50 हज़ार श्रद्धालुओं का जनसैलाब, मुख्यमंत्री ने भेजा अभिनंदन संदेश

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर/राजगढ़। ग्राम राजगढ़ स्थित श्री मसाणिया भैरव धाम पर गुरुपूर्णिमा महोत्सव बड़े ही धूमधाम, हर्षोल्लास और आध्यात्मिक वातावरण के बीच मनाया गया। इस अवसर पर राजस्थान सहित हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र से आए 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा भैरव व माँ कालिका के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उत्सव की शुरुआत में चम्पालाल महाराज ने मुख्य मंदिर में पूजा-अर्चना कर परिसर में वृक्षारोपण किया। इसके पश्चात नौ विद्वान ब्राह्मण आचार्यों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गुरुचरण पादुका पूजन संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने सर्वधर्म मनोकामनापूर्ण स्तम्भ की परिक्रमा कर विशेष चमत्कारी चिमटी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री ने भेजा अभिनंदन पत्र

प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुपूर्णिमा के अवसर पर चम्पालाल महाराज को अभिनंदन पत्र भेजकर राज्य की निरंतर उन्नति और खुशहाली की कामना की। यह अभिनंदन पत्र विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने श्रद्धालुओं के समक्ष पढ़कर सुनाया और महाराजश्री को भेंट किया। इस दौरान देवनानी ने कहा, 'मैं पिछले 23 वर्षों से राजगढ़ धाम से जुड़ा हूँ और आज जो कुछ भी हूँ, बाबा भैरव और धाम की कृपा से हूँ। '

बिना दान-चढ़ावे की अनोखी परंपरा

संबोधित करते हुए चम्पालाल महाराज ने कहा कि सच्चा सद्गुरु वही है जो शिष्य के जीवन से अंधकार मिटाकर प्रकाश भर दे। धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि राजगढ़ धाम की यह विशेषता है कि यहाँ किसी भी प्रकार का दान, चंदा, चढ़ावा या गुप्तदान स्वीकार नहीं किया जाता।

नगाड़े की धुन पर झूमे श्रद्धालु

समारोह में प्रसिद्ध नगाड़ा वादक नाथूलाल सोलंकी की टीम और भजन गायिका ज्योति सेनी ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिस पर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर नाचने लगे। आयोजन के दौरान नसीराबाद प्रशासन और पुलिस बल ने भारी जनसैलाब को नियंत्रित करने के लिए पुख्ता इंतजाम किए। कार्यक्रम का समापन महाआरती के साथ हुआ।

लघु उद्योग भारती ने गठित की विभिन्न समितियाँ, एमओयू भूमि आवंटन और पेपर लीक पर भी हुई चर्चा

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। लघु उद्योग भारती, ब्यावर शाखा की मासिक बैठक मंगलवार को रीको स्थित संगठन कार्यालय में शाखा अध्यक्ष सचिन नाहर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में क्षेत्र के औद्योगिक विकास, उद्यमियों की विभिन्न समस्याओं, संगठनात्मक गतिविधियों तथा समसामयिक विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श कर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बुनियादी सुविधाओं और सड़क निर्माण के लिए बनीं समितियाँ

बैठक के दौरान राधावल्लभ एवं रानी सागर औद्योगिक क्षेत्र में जर्जर सड़कों के निर्माण का मुद्दा प्रमुखता से उठा। इस समस्या के त्वरित समाधान हेतु रवि झंवर के संयोजन में एक समिति का गठन किया गया, जिसमें आनंद शर्मा, विजय मेहता, जय आनन्दानी एवं मुरलीधर छीपा को सदस्य नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार काना खेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में रोड लाइट एवं अन्य आधारभूत समस्याओं के निस्तारण के लिए अजय खंडेलवाल, विकास गर्ग, रवि झंवर एवं तरुण माहेश्वरी की समिति बनाई गई। वहीं रीको द्वितीय क्षेत्र में रोड लाइट की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए संबंधित अधिकारियों से शीघ्र वार्ता करने का निर्णय लिया गया।

'राइजिंग राजस्थान' के एमओयू और भूमि आवंटन पर चर्चा

बैठक में 'राइजिंग राजस्थान' पहल के तहत एमओयू करने वाले उद्यमियों को अब तक भूमि आवंटित न होने के विषय पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। इस संबंध में तय हुआ कि शाखा अध्यक्ष सचिन नाहर जल्द ही जिला कलेक्टर एवं रीको के उच्च अधिकारियों से भेंट करेंगे। साथ ही, इस पूरे प्रकरण की जानकारी संगठन के प्रांतीय व केंद्रीय नेतृत्व को भी दी जाएगी।

पारिवारिक स्नेह मिलन और समसामयिक विषयों पर मंथन

संगठन के छह अनिवार्य प्रकल्पों के अंतर्गत अगस्त या सितंबर माह में 'पारिवारिक स्नेह मिलन कार्यक्रम' आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके सफल संचालन के लिए पीयूष हेड़ा को संयोजक तथा दीपक झंवर, सचिन नाहर, विजय मेहता एवं गगन भारद्वाज को समिति सदस्य मनोनीत किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की समन्वय बैठक के निर्देशों के तहत प्रदेश में चर्चा का विषय बने 'पेपर लीक प्रकरण' पर भी गंभीर विचार-विमर्श हुआ। प्रांत उपाध्यक्ष अजय खंडेलवाल ने विषय की पृष्ठभूमि रखी, जिस पर वक्ताओं ने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, युवाओं में नैतिक मूल्यों के बीजारोपण तथा परिवार संस्था को और मजबूत बनाने पर बल दिया। बैठक में शाखा पालक प्रकाश अम्बुरे, प्रांत उपाध्यक्ष अजय खंडेलवाल, शाखा अध्यक्ष सचिन नाहर, सचिव गगन भारद्वाज सहित अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

फूलियाकलां में पांच सूत्रीय मांगों पर प्रशासन झुका,7 घण्टे के अनशन के बाद आश्वासन के बाद भूख हड़ताल समाप्त

स्मार्ट हलचल

रिपोर्टर सुरज वर्मा फूलियाकलां कस्बे में विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर छात्र नेताओं द्वारा शुरू किया गया आमरण अनशन प्रशासन के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। प्रशासन द्वारा प्रमुख मांगों पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए जाने के बाद थाना अधिकारी दिनेश कुमार ने अनशनकारियों को मिठाई खिलाकर भूख हड़ताल समाप्त करवाई। जानकारी के अनुसार छात्र नेता शिवराज आचार्य एवं दिनेश माली ने अस्पताल, शिक्षा और पेयजल सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर आमरण अनशन शुरू किया था। आंदोलन के बाद प्रशासन ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। प्रशासन ने फूलियाकलां अस्पताल में चिकित्सक की वैकल्पिक व्यवस्था करने के आदेश जारी किए। वहीं श्री कल्याण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सप्ताह के प्रथम तीन दिनों के लिए तीन शिक्षकों की नियुक्ति के निर्देश दिए गए। इसके अलावा वार्ड संख्या 15 स्थित विद्यालय में दो अतिरिक्त कक्षा-कक्षों की अनुशंसा करने तथा पेयजल समस्या के त्वरित समाधान के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आवश्यक कार्य कराने का भरोसा भी दिया गया। इन आश्वासनों के बाद थाना अधिकारी दिनेश कुमार की मौजूदगी में अनशनकारियों को मिठाई खिलाकर आंदोलन समाप्त कराया गया। अनशन समाप्त होने के बाद छात्र नेताओं ने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासनों पर समयबद्ध कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में फिर से आंदोलन शुरू किया जाएगा। वहीं स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सभी घोषणाओं को शीघ्र धरातल पर लागू करने की मांग की है।

17 वर्षीय जिला स्तरीय बालक फुटबॉल प्रतियोगिता 30 से

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिला फुटबॉल संघ भीलवाड़ा के तत्वाधान में 30 जुलाई से 1 अगस्त तक प्रताप नगर स्कूल मैदान पर जिला स्तरीय 17 वर्षीय बालक फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा संघ के चेयरमैन विशिष्ट विश्नोई ने बताया कि जिले में 17 वर्ष के बालक अधिक संख्या में प्रतिदिन फुटबॉल का अभ्यास करते हे ओर हाल ही में चले फीफा वर्ल्ड कप से भी काफ़ी ज्यादा प्रभावित हैं इसको देखते हुए इस प्रतियोगिता का आयोजन ओर भी बड़े पैमाने पर किया जाएगा जिले ही नहीं आस पास के गांवों को भी इस से जोड़ा जाएगा ओर फुटबॉल के आने वाले भविष्य को इन बच्चों के द्वारा निखारा जाएगा संघ के अध्यक्ष लादू लाल तेली ने बताया कि जिले में प्रताप नगर स्कूल मैदान, भीमगंज स्कूल मैदान, महेश पब्लिक स्कूल मैदान,सेंड एंस्लम स्कूल मैदान लेबर कॉलोनी सुभाष नगर पुलिस लाइन फुटबॉल मैदान उसके साथ ही गांव में कोदूकोटा कोदिया मेजा नया समेलिया कोटड़ी भादु लुहारिया बीगोद आदि स्थानों पे अधिक तादात में फुटबॉल चलती हे इन सभी को जिला संघ द्वारा एक मैदान पर लाया जाएगा और आने वाले राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों को तराशा जाएगा और एक मजबूत टीम बनाई जाएगी टीम का चयन शंकर लाल जीनगर जगदीश बुनकर चेतन शर्मा द्वारा किया जाएगा उस टीम को प्रतिदिन नई-नई स्किल पावर और फुटबॉल तकनीकी का ज्ञान देकर एक अनुभवी और आपस में अधिक सामंजस्य वाली टीम तैयार की जाएगी जिसे प्रतियोगिता में इनका प्रदर्शन अच्छा हो और परिणाम मिल सके संघ के सचिव कैलाश चंद्र खटीक ने बताया कि इस से चयनित खिलाड़ी नागौर में आयोजित 7 अगस्त से 10 अगस्त राज्य स्तरीय 17 वर्षीय बालक फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेंगे इस घोषणा में ओम प्रकाश काबरा कैलाश चंद्र कोठारी दुर्गेश जोशी भेरू लाल जीनगर अनिल व्यास पारस कुमार छापरवाल डाल चंद चंदेल दिनेश सेन सदीक लुहार विनोद रूनवाल मिथलेश मारु महेश शर्मा लोकेंद्र सिंह सिद्धार्थ पोरवाल प्रहलाद शर्मा शेखर बेरवा आदि मौजूद रहे ।

बसपा प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ता सम्मेलन में भरी हुंकार, 2027 चुनाव के लिए बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का आह्वान

स्मार्ट हलचल

खखरेरू /फतेहपुर कस्बे स्थित ग्रीन गार्डन गेस्ट हाउस में बुधवार को बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल शामिल हुए। उन्होंने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर से लेकर घर-घर तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने का आह्वान करते हुए संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। कार्यक्रम का आयोजन मोहम्मद कासिम (स्व. दरोगा जी) के नेतृत्व में किया गया। सम्मेलन की शुरुआत प्रदेश अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर की। इसके बाद विभिन्न पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि बसपा कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ और प्रत्येक घर तक पहुंचकर पार्टी की नीतियों और विचारधारा का प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए इन्हें एक-दूसरे का पूरक बताया। साथ ही महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने जैसे मुद्दों पर वर्तमान सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार अपने बच्चों को कड़ी मेहनत और मजदूरी कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराते हैं, लेकिन परीक्षा केंद्र पहुंचने पर पेपर लीक होने की खबर मिलने से युवाओं का भविष्य प्रभावित होता है। उन्होंने दावा किया कि जनता आज भी बसपा सरकार के कार्यकाल को बेहतर मानती है। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया और संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने पर बल दिया। सम्मेलन में विजय प्रताप, आर.के. गौतम, रमाकांत गौतम, सतीश जाटव, जगन्नाथ पाल, अमरेंद्र बहादुर, डॉ. एस.पी. सिद्धार्थ, विधायक मुरलीधर, वीर प्रकाश लोधी, बसपा जिलाध्यक्ष फतेहपुर, आकाश राव, अभिषेक प्रताप, अतुल कुमार, मोहम्मद अकरम, विष्णुपाल सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घाड़ में वीर तेजाजी महाराज पूर्णाहुति कार्यक्रम व भव्य जागरण में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, निकाली गईं शोभायात्रा,व विशाल पंगत प्रशादी बाटी

स्मार्ट हलचल

अविनाश मीणा घाड़ (देवली), टोंक घाड़ कस्बे में वीर तेजाजी महाराज युवा मंडल द्वारा आयोजित दो दिवसीय पूर्णाहुति कार्यक्रम का शुभारंभ भव्य रात्रि जागरण के साथ हुआ। इस धार्मिक आयोजन में रात भर भक्ति और उल्लास का वातावरण रहा। जागरण की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद स्थानीय और बाहर से आए कलाकारों ने तेजा गायन और भजनों की प्रस्तुतियां दीं। नर्तकों ने भी अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। रात भर चली इन प्रस्तुतियों के दौरान श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर झूमते और नाचते रहे। जागरण के दौरान विभिन्न धार्मिक बोलियां लगाई गईं, जिनमें ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ध्वजा घोड़ी वाहक बोली मनीष माली ने 26,000 रुपये में ली, जबकि बरडा ढाणी के मुकेश सैनी ने प्रधान कुंड बोली 23,500 रुपये में जीती। घाड़ के सुरेश कुमार सैनी ने प्रधान कलश बोली 16100 रुपये में लगाई। कार्यक्रम के दूसरे दिन , घाड़ कस्बे में वीर तेजाजी महाराज की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा खेडेश्वर महादेव मंदिर से रवाना हो कर पूरे गांव का भ्रमण करते हुए तेजाजी महाराज मंदिर पहुंची। शोभायात्रा संपन्न होने के बाद महाप्रसाद (भोजन प्रसादी) का वितरण किया गया, जिसमें लगभग 4 हजार श्रद्धालु शामिल हुए। इस आयोजन को सफल बनाने में वीर तेजाजी महाराज मंडल समिति के सदस्यों और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। इनमें राजेश सैनी, मुरारी गुर्जर, सुरेश सैनी, कैलाश योगी, रामप्रसाद सैनी, कमल सैनी, संजय गुर्जर, मुकेश सैनी, मनीष सैनी, लालचंद जांगिड़, हेतराम सैनी, दिनेश चोपदार, दुर्गा शंकर गुर्जर, आकाश सैनी और नरेश सैनी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत विद्यालय में हुआ नुक्कड़ नाटक का आयोजन

स्मार्ट हलचल

लाखेरी - जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खानपुरा में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इसमें बेटी बचाओ बेटी बचाओ की टीम ने विद्यार्थियों को बेटियों के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही है योजनाओं को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समझाया गया। इस दौरान लाडो प्रोत्साहन योजना के लाभ के बारे में आने वाले राशियों के बारे में, पहली कक्षा से 12 वी एवं स्नातक तक अलग अलग किस्तों में आने वाली राशि, आंगनबाड़ी में बेटियों को पढ़ाने के बारे में, मुख्यमंत्री राज श्री योजना, आपकी बेटी योजना, बेटी को बचाने के लिए जागरूक किया गया, भ्रूण परीक्षण नहीं करवाने एवं इससे होने वाले नुक़सान के बारे में, बेटी एवं बेटों में समानता रखने सहित अनेक बातें बताई जिससे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का लाभ मिल सके। इस दौरान विद्यालय प्रधानाचार्य कृष्ण मुरारी सोनी सहित विद्यालय स्टाफ, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की टीम मौजूद रहीं। टीम ने विस्तार से बताया कि लाडो प्रोत्साहन योजना योजना में बेटियों के जन्म से लेकर स्नातक तक कुल ?1.5 लाख तक की वित्तीय सहायता 7 किस्तों में दी जाती है। जन्म पर ?5,000 और आगे की पढ़ाई व टीकाकरण पर चरणबद्ध रूप से राशि मिलती है। मुख्यमंत्री राजश्री योजना में बालिकाओं के स्वास्थ्य और शिक्षा स्तर को सुधारने के लिए जन्म से 12वीं कक्षा तक कुल ?50,000 की सहायता 6 किस्तों में दी जाती है। आपकी बेटी योजना में सरकारी विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक पढ़ने वाली और आर्थिक रूप से कमजोर या बेसहारा परिवारों की बेटियों को सालाना आर्थिक सहायता दी जाती है। टीम ने बताया कि इन सब योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज लेकर ई-मित्र के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।

कोटा सिटी राउंड टेबल 358 द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, केशवपुरा सेक्टर 2-3 में निःशुल्क दंत चिकित्सा जांच शिविर आयोजित

स्मार्ट हलचल

कोटा सिटी राउंड टेबल 358 की ओर से आज राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, केशवपुरा सेक्टर 2-3 में एक निःशुल्क दंत चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. रोहित भाटिया एवं उनकी टीम ने लगभग 250 बच्चों के दांतों की जांच कर उन्हें मौखिक स्वच्छता एवं दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। कोटा सिटी राउंड टेबल 358 के अध्यक्ष रोहित जैन ने बताया कि संस्था का उद्देश्य सरकारी विद्यालयों के बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्ष में संस्था द्वारा शहर के अनेक सरकारी विद्यालयों में ऐसे निःशुल्क दंत चिकित्सा जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक बच्चों को समय पर स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक परामर्श मिल सके। इस अवसर पर संस्था के सचिव रमन भाटिया, टेबलर सिद्धार्थ गौतम एवं किंशुक जैन भी उपस्थित रहे। विद्यालय प्रशासन एवं संस्था के सदस्यों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे बच्चों के स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

भाजपा महिला मोर्चा ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों का किया सम्मान

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ एवं भीलवाड़ा भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के निर्देशानुसार भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष मंजू पालीवाल के नेतृत्व में पार्षद इंदु बंसल और नेहा नागर के सहयोग से 2026 के नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले जिले के विद्यार्थियों का सम्मान किया गया भाजपा जिला मीडिया संयोजक महावीर समादानी ने बताया कि नीट परीक्षा में उर्तीतण विद्यार्थी सानिया अंसारी और कनिका कुमावत का मुंह मीठा करवाया कर ओपरना पहनाकर श्रीफल देकर सम्मान किया।

मुट्ठी भर देशों के हितों का बंधक नहीं बन सकता यूएनएससी : भारत

स्मार्ट हलचल

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने वैश्विक मंच पर भारत का पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में व्यापक सुधारों की प्रक्रिया अब मुट्ठी भर सदस्य देशों के संकीर्ण और विभाजनकारी हितों के लिए 'बंधक' बनकर नहीं रह सकती। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा सुरक्षा परिषद सुधारों पर अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) को इसके 81वें सत्र तक आगे बढ़ाने (रोलओवर) के मौखिक फैसले के दौरान भारत ने यह कड़ा रुख अपनाया। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने एक बयान में बताया कि भारत ने इस सत्र के प्रस्ताव पर आम सहमति का समर्थन तो किया, लेकिन सुधारों की सुस्त रफ्तार पर गहरी निराशा जताई। राजदूत पी. हरीश ने भारतीय दर्शन का उदाहरण देते हुए कहा जैसे आत्मा मोक्ष से पहले जन्म और मृत्यु के चक्रों से गुजरती है, वैसे ही यह वार्ता प्रक्रिया भी अब तक 17 चक्र (दौर) पूरे कर चुकी है, लेकिन अब तक कोई 'मुक्ति' (ठोस परिणाम) दिखाई नहीं दे रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह प्रक्रिया अब अपने 18वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता के कारण दुनिया भर के नागरिकों में निराशा बढ़ रही है। भारत ने मांग की कि इस गतिरोध को तोड़ने का एकमात्र रास्ता 'टेक्स्ट-बेस्ड बातचीत' है, जिसकी समय-सीमा तय होनी चाहिए। भारतीय मिशन के अनुसार इस महत्वपूर्ण बैठक के अलावा, राजदूत हरीश ने संयुक्त राष्ट्र के दो अन्य बड़े मंचों पर भी भारत की वैश्विक दृष्टि को रेखांकित किया। महासभा की पूर्ण बैठक में 'न्यू अर्बन एजेंडा' की मध्यावधि समीक्षा के दौरान भारतीय राजदूत ने स्थायी शहरीकरण के प्रति देश की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने भारत के स्मार्ट सिटीज मिशन और पीएम आवास योजना का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे भारत वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को जमीनी स्तर पर लागू कर रहा है। इसके अलावा सुरक्षा परिषद की त्रैमासिक खुली बहस में मध्य पूर्व की स्थिति पर बोलते हुए भारत ने लाल सागर और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में वाणिज्यिक जहाजों पर हाल ही में हुए हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने इसे वैश्विक साझा जिम्मेदारी बताते हुए व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा और गाजा के मानवीय संकट पर गहरी चिंता व्यक्त की।

गुरु पूर्णिमा पर ब्यावर में संतों का सम्मान : मंत्री गहलोत और विधायक रावत ने भेंट की गुरु वंदन सामग्री

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर ब्यावर जिलेभर के प्रमुख मठों व मंदिरों में संतों-महंतों का सम्मान श्रद्धा और गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आयोजित इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने संतों का वंदन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि का आशीर्वाद लिया। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री की ओर से संतों को गुरु वंदन संदेश, शॉल, श्रीफल, मिठाई एवं अन्य सम्मान सामग्री भेंट की गई।

विभिन्न स्थानों पर आयोजित हुए सम्मान समारोहः

अकलपुरी धूणी (बागलिया): विधायक शंकर सिंह रावत और अन्य जनप्रतिनिधियों ने श्री 1008 नरेश पुरी जी महाराज को मुख्यमंत्री का संदेश व सम्मान सामग्री भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

जैतारणः कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने संत मगन राम दास महाराज का अभिनंदन कर गुरु परंपरा के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की।

आस पहाड़ की धूणी (ब्यावर): तहसीलदार मोहर सिंह की मौजूदगी में श्री 1008 महेन्द्रपुरी महाराज का सम्मान संपन्न हुआ।

संतों ने दिया सद्भावना का संदेश

इस अवसर पर संतों और महंतों ने समाज में आध्यात्मिक मूल्यों, आपसी सद्भावना और भारतीय संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। जिला प्रशासन के बेहतर समन्वय से जिलेभर में गुरु-शिष्य परंपरा का यह उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

गुरु पूजन के साथ पूर्णिमा पर कानपुर के गंगा घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

स्मार्ट हलचल

सुनील बाजपेई कानपुर। आज यहां बुधवार को गुरु पूर्णिमा धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर छात्रों के साथ ही गुरु में आस्था और विश्वास रखने वाले लोगों ने भी अपने गुरुओं की पूजा अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया। आज गुरु पूर्णिमा के इस मौके पर विभिन्न धार्मिक संस्थाओं समेत स्कूलों में भी विशेष आयोजन किए गए। वहीं दूसरी गुरु पूर्णिमा के इस पावन मौके पर परमट और बिठूर गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्त आज सुबह से ही बड़ी संख्या में गंगा घाट पहुंचे और गंगा में डुबकी लगाने के साथ ही अपने गुरु का ध्यान करते हुए पूजा-अर्चना भी की। इस दौरान गंगा घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था के खासा इंतजाम देखे गए। यहां पुलिस वालों के अलावा गोताखोर भी तैनात रहे। इसी के साथ गंगा घाटों पर लोगों की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम भी रहे। नहाते समय कोई गंगा में डूब ना जाए। इसके लिए गहरे पानी से पहले बांस-बल्ली लगाई गई थी। आज गुरु पूर्णिमा पर्व पर शिवली के शोभन मंदिर पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। बताते चलें कि यहां शोभन आश्रम की आधारशिला रखने वाले ब्रह्मलीन महाराज रघुनंदन दास जी महराज और शोभन को विकसित करने वाले ब्रह्मलीन विरिक्ततानंद जी महाराज के प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में अनेकों भक्त मौजूद हैं। दूसरी ओर छात्रों ने भी अपने गुरुओं के चरण छूकर आशीर्वाद लिया। इसके लिए स्कूल कॉलेज में भीसमारोह आयोजित किए गए आज गुरु पूर्णिमा और इसके बाद सावन के पहले सोमवार को लेकर तगड़ी तैयारियां पहले से ही की जा चुकी हैं।

जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का शपथ ग्रहण समारोह आज, तैयारियां पूरी

प्रदेश अध्यक्ष एमडी चौपदार होंगे मुख्य अतिथि, जयपुर में मुलाकात कर दिया गया निमंत्रण

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़ । जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग की जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 30 जुलाई को स्टेशन रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित किया जाएगा। समारोह की तैयारियों को लेकर जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की बैठक आयोजित कर सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। जिलाध्यक्ष इम्तियाज हुसैन लौहार ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह प्रातः 10:30 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष एमडी चौपदार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि जयपुर पहुंचकर एमडी चौपदार से मुलाकात कर उन्हें गुलदस्ता भेंट करते हुए समारोह का औपचारिक निमंत्रण दिया गया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर अपनी अंतिम सहमति प्रदान की। शहर अध्यक्ष नवाब खान ने बताया कि समारोह में कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रमोद सिसोदिया, पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना, पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्र सिंह जाड़ावत, पूर्व संसदीय सचिव राजेंद्र सिंह बिधूड़ी, पूर्व विधायक प्रकाश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस सचिव ललित बोरीवाल सहित पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, विधायक प्रत्याशी, प्रधान, सरपंच, पार्षद, वार्ड पंच तथा जिले के शहर एवं ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। बैठक के दौरान जिलाध्यक्ष इम्तियाज हुसैन लौहार, प्रदेश संयुक्त सचिव मोहसीन खान, मजहर हुसैन, अकरम अली, प्रदेश कॉर्डिनेटर महबूब अली वागड़ी, मुदस्सर पठान, जमील अहमद तथा शहर अध्यक्ष नवाब खान सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वी बी-जी राम जी योजना के तहत कार्य के समय में संशोधन

अब श्रमिकों का प्रतिदिन कार्य समय होगा प्रातः 9 से सांय 5 बजे तक।

स्मार्ट हलचल

बूंदी- जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव नें विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) योजना के तहत कार्यरत अकुशल श्रमिकों के हित में कार्यस्थल के समय में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। उन्होंने बदलते हुए मौसम को ध्यान में रखते हुए आदेश जारी किए हैं। नवीन आदेशों के अनुसार अब योजना के तहत श्रमिकों के लिए कार्य का समय प्रातः 9:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक (विश्राम काल सहित) निर्धारित किया गया है। यह संशोधन तत्काल प्रभाव से पूरे जिले में लागू कर दिया गया है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रमेश देव ने बताया कि यदि कोई श्रमिक समूह निर्धारित समय से पूर्व अपना टास्क (कार्य) पूर्ण कर लेता है, तो वे श्रमिक कार्य की माप मेट के पास उपलब्ध मस्टररोल में अंकित टास्क प्रपत्र में दर्ज करवा सकते हैं। माप अंकित होने और समूह के मुखिया के हस्ताक्षर उपरांत संबंधित श्रमिक समूह कार्यस्थल छोड़ने के लिए स्वतंत्र होगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

गुरु पूर्णिमा पर विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने संत-महात्माओं का लिया आशीर्वाद

विभिन्न मंदिरों एवं मठों में पहुंचकर किया गुरु वंदन, क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़, गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने जिले के विभिन्न मंदिरों एवं मठों में पहुंचकर संत-महात्माओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित करते हुए गुरुजनों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। विधायक आक्या ने हजारेश्वर महादेव मंदिर में महंत चंद्रभारती महाराज के चरणों में नमन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने रामद्वारा में दिग्विजयराम महाराज, उपासरा में विनोद यति महाराज, दुर्ग स्थित कालिका माता मंदिर में महंत रामनारायण पुरी महाराज, नीलकंठ महादेव मंदिर में महंत जगन्नाथ पुरी महाराज, कपासन स्थित मुंगाणा धाम में महंत अनुजदास महाराज एवं रामपाल महाराज, संगेसरा मठ में रामचंद्र गिरी महाराज, बड़ीसादड़ी के श्री गोपाल आश्रम में महंत सुदर्शनाचार्य महाराज तथा वाना आश्रम में अवधेशानंद महाराज सहित विभिन्न संत-महात्माओं के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विधायक आक्या ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से राजकीय मंदिरों एवं मठों में गुरुजनों का शॉल, उपरना ओढ़ाकर एवं पूजन सामग्री भेंट कर सम्मान भी किया। कार्यक्रम के दौरान उपखंड अधिकारी रजनी मीणा, तहसीलदार विपिन चौधरी, भाजपा जिला महामंत्री हर्षवर्धन सिंह, नगर अध्यक्ष गौरव त्यागी सहित भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवक संघ के जिला अध्यक्ष संजय शर्मा का अभिनंदन, समाज एकता और युवा नेतृत्व पर दिया जोर

चंदेरिया स्थित गौतम आश्रम में हुआ सम्मान समारोह, वृक्षारोपण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। अक्षपाद गौतम विकास संस्थान, चंदेरिया में नव मनोनीत युवक संघ जिला अध्यक्ष संजय शर्मा के सम्मान में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज के प्रबुद्धजनों एवं युवा साथियों ने उनका स्वागत करते हुए समाज हित में सक्रिय भूमिका निभाने की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ चंदेरिया स्थित गौतम आश्रम में वृक्षारोपण एवं महर्षि गौतम के चरणों में दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जरगौड़ ब्राह्मण महासभा, चित्तौड़गढ़ के जिलाध्यक्ष प्रशांत शर्मा रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मेवाड़ क्षेत्रीय केंद्रीय अध्यक्ष अमरकंठ उपाध्याय, युवा प्रदेश अध्यक्ष योगेश व्यास, युवा महामंत्री मुकेश त्रिपाठी, जिला महामंत्री राजेंद्र चतुर्वेदी सहित समाज के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष प्रशांत शर्मा ने समाज की एकता एवं अखंडता बनाए रखने पर बल देते हुए युवाओं से समाज हित में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया। वहीं अमरकंठ उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान समय में समाज को संगठित रहकर चुनौतियों का सामना करना होगा तथा युवाओं में आपसी सहयोग की भावना मजबूत करनी होगी। युवा प्रदेश अध्यक्ष योगेश व्यास ने चित्तौड़गढ़ में समाज के युवक-युवतियों के लिए भविष्य में गरबा महोत्सव आयोजित कराने की पहल की घोषणा की। वहीं पूर्व पार्षद शांतिलाल शर्मा ने आगामी निकाय चुनाव में समाज हित को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। समारोह के दौरान समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं की उपस्थिति में जिला प्रवक्ता सुनील गुर्जर गौड़ को 17 देशों की विदेश यात्रा पूर्ण करने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन महासभा के राष्ट्रीय शिक्षा मंत्री नंदकिशोर जोशी एवं संगठन मंत्री ललित शर्मा ने किया, जबकि अंत में मंगलेश्वर शर्मा खूंटियां ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत, कार्यवाही नहीं होने से आक्रोश

करीब 8 घंटे बंद रहा मार्ग, सहमति बनने पर खोला जाम

स्मार्ट हलचल

लाखेरी बुधवार सुबह से करवर थाने के बाहर ग्रामीणों द्वारा जाम लगा दिया गया था, जिससे देई नैनवां इंद्रगढ़ लाखेरी मार्ग बाधित रह। प्राप्त जानकारी के अनुसार कल देर? शाम करवर के पास ट्रेक्टर ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। जिससे युवक की मृत्यु हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि कल शाम को ही करवर थाने में रिपोर्ट देने के बाद भी सुबह तक कोई कार्यवाही नहीं हुई, ना ही ट्रेक्टर जब्त किया गया और ना ही चालक गिरफ्तार किया गया, जो ग्रामीणों ने बताया कि युवक की मोटरसाइकिल तो घटनास्थल से पुलिस ले आई परन्तु मोके से ट्रेक्टर जब्त नहीं किया। मृतक का देर शाम पोस्टमार्टम हुआ। थानाधिकारी मुकेश मीणा का कहना है कि कार्यवाही की जा रही है। सुबह थाने के बाहर जाम लगा दिया उसके बाद ग्रामीण उच्चाधिकारियों को मौके पर बुलाने पर अड़ गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार सूचना पाकर उपखंड अधिकारी भागचंद रैगर, एडीशनल एसपी ओमप्रकाश, थानाधिकारी सहदेव सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और समझाइश का दौर शुरू हुआ, परन्तु ग्रामीण मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी एवं बच्चों के लिए 50 लाख की आर्थिक सहायता की मांग पर अड़ गए और करवर बस स्टैंड पर धरना देकर बैठ गए। देर शाम प्रशासनिक अधिकारीयों ने मृतक के परिजनों सहित ग्रामीणों से वार्ता कर समझाइश की गई जिसमें सहमति बनी कि राज्य सरकार द्वारा जो भी सरकारी सहायता होगी उनका प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेजा जाएगा और सहायता की जाएगी, सरकार की योजनाओं का परिवार को लाभ दिलाया जाएगा इसके साथ ही ट्रैक्टर एवं चालक के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी। सहमति बनने के बाद जाम खोला गया, जाम से करवर नैनवां मार्ग करीब 8 घंटे बाधित रहा। जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

विधायक राजेंद्र मीणा ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संत महात्माओं के आश्रमो पर पहुंच की पूजा अर्चना लगाई ढोक

स्मार्ट हलचल

नीरज मीणा महुवा। महुवा विधायक राजेंद्र मीणा ने बुधवार को महुवा विधानसभा क्षेत्र सहित बसवा राजगढ़ क्षेत्र के धार्मिक स्थलों पर संत महात्माओं के कुटिया मंदिरों के पुजारी संत महात्माओं स्थानो पर पहुंचकर पूजा अर्चना कर संत महात्माओं का आशीर्वाद लिया विधायक राजेंद्र मीणा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं सहित प्रशासन के अधिकारियों के साथ सर्वप्रथम पाली में परम पूज्य श्री परमहंस स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज के दिव्य दर्शन एवं पूजन किया। इसके बाद मंडावर में परम पूज्य श्री निर्गुण महाराज जी के दिव्य दर्शन एवं पूजन के बाद ग्राम उकेरी (भूडा) पहुंचकर परम पूज्य श्री श्री 108 श्री बालक दास जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर संत आश्रम, निकटपुरी (मानपुर) पहुंचकर परम पूज्य संत श्री रामेश्वरदास जी महाराज के पावन दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बादजहाज (टहला) पहुंचकर परम पूज्य श्री श्री 1008 श्री मल्ला दास बाबा आशीर्वाद दिया इसके बाद जयसिंहपुरा (बसवा) में आयोजित श्री श्री 1008 श्री साध बाबा के विशाल मेला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में सम्मिलित होकर श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों के साथ इस पावन आयोजन में सम्मलित हुए। इस अवसर पर आगामी 09 अगस्त को मीणा हाईकोर्ट में विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम के पोस्टर का भी विधिवत विमोचन किया तथा सभी से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया गया। इस दौरान पूर्व विधायक बांदीकुई श्री गजराज जी खटाना, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण, कार्यकर्ता बंधु एवं बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं से आत्मीय संवाद का अवसर मिला। इस दौरान विधायक राजेंद्र मीणा ने पूज्य गुरुदेवो साधु संतो के श्रीचरणों में नमन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा आत्मिक शांति, सेवा, संस्कार और जनकल्याण के पथ पर निरंतर अग्रसर रहने की प्रेरणा का आशीर्वाद प्राप्त किया । इस पावन अवसर पर राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा श्रद्धा एवं सम्मान स्वरूप पूज्य संत महात्मा महाराज श्री को श्रीफल, मिठाई एवं दुपट्टा भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हुए विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक परिवार के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं लोकमंगल की मंगलकामना की। विधायक राजेंद्र मीणा ने कहां की इस अवसर पर ईश्वर से प्रार्थना है कि गुरुदेवो की कृपा हम सभी पर सदैव बनी रहे तथा हमारा क्षेत्र विकास, सौहार्द और खुशहाली के नए आयाम स्थापित करता रहे। पूज्य गुरुदेवो से आशीर्वाद प्राप्त कर आत्मिक शांति, ऊर्जा एवं जनसेवा के पथ पर सतत अग्रसर रहने की प्रेरणा मिली।

अवैध बजरी खनन ओर परिवहन पर प्रभावी कार्यवाही, अवैध बजरी के साथ ट्रेक्टर ट्रॉली जप्त

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा पुलिस द्वारा अवैध बजरी के अवैध परिवहन और खनन पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस थाना मांडलगढ़ द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए अवैध बजरी से भरा एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) राजेश आर्य के मार्गदर्शन एवं वृत्ताधिकारी मांडलगढ़ योगेश शर्मा के सुपरविजन में थानाधिकारी राजकुमार नायक के नेतृत्व में अवैध खनन/परिवहन की रोकथाम हेतु एक विशेष टीम का गठन किया गया। बुधवार को सरहद मुकनपुरिया थाना मांडलगढ़ क्षेत्र में गश्त के दौरान पुलिस टीम को सामने से अवैध बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली आती हुई दिखाई दी। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर चालक वाहन को रास्ते में ही खड़ा कर जंगल की ओर भाग निकला। पुलिस ने बिना नंबरी ट्रैक्टर मय ट्रॉली (अवैध बजरी से भरी हुई) जिसे किया। जप्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को थाना परिसर में खड़ा करवाया गया एवं अग्रिम कानूनी व प्रशासनिक कार्यवाही हेतु खनिज विभाग को सूचना दी ।

गाजियाबाद में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत और कई घायल

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के निवाड़ी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात करीब 12:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब हरिद्वार दर्शन और गंगा स्नान के लिए जा रही एक बोलेरो पिकअप की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि पिकअप हाल ही में खरीदी गई थी और सवार सभी लोग उसकी पूजा-अर्चना एवं गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। सूचना मिलते ही निवाड़ी पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेते हुए उसके चालक और परिचालक को हिरासत में ले लिया है। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। यह क्षेत्र में सड़क दुर्घटना का अकेला मामला नहीं है। इससे पहले, 21 जुलाई को ग्रेटर नोएडा के छपरौला के पास भी सरिया लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर नाले में गिर गया था, जिससे केबिन में फंसे चालक आमिर (28) की मौत हो गई थी। इन हादसों ने सड़कों पर सुरक्षा उपायों की गंभीरता पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।

भाजपा सांसदों को बागवानी सब्सिडी : एक ने लौटाई, सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने संसद को जानकारी दी कि केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भगीरथ चौधरी और राजस्थान के भाजपा सांसद लुंबाराम को बीते पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) की योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता मिली थी। हालांकि, चौधरी ने अपनी सब्सिडी वापस कर दी है। कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि एनएचबी की योजनाएं व्यावसायिक बागवानी, संरक्षित खेती, फसल कटाई के बाद प्रबंधन और शीत भंडार अवसंरचना के विकास के लिए पात्र किसानों और उद्यमियों को आर्थिक मदद देती हैं। उन्होंने सांसदों और उनके करीबी परिवार के सदस्यों को मिली वित्तीय सहायता का विवरण दिया, जिसमें चौधरी और लुंबाराम प्रमुख थे। कृषि राज्य मंत्री ठाकुर ने स्पष्ट किया कि भगीरथ चौधरी ने अपनी सब्सिडी संबंधित बैंक को लौटा दी है, जिसे बागवानी बोर्ड को वापस भेजने का निर्देश दिया गया है। मंत्री ने बताया कि बोर्ड के दिशानिर्देशों में लोक सेवकों या उनके परिवार के सदस्यों के आवेदनों को लेकर हितों के टकराव का कोई विशेष प्रावधान नहीं है। ये योजनाएं सभी पात्र आवेदकों के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें व्यक्ति, फर्म और कंपनियां शामिल हैं, बशर्ते वे निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करें। इसमें परियोजना की जमीन आवेदक के स्वामित्व में होनी चाहिए या कम से कम 10 साल के लिए पट्टे पर ली गई होनी चाहिए।

कांवड़ यात्रा से पहले हापुड़ में मांसाहारी दुकानें बंद : प्रशासन सख्त

हापुड़ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के हापुड़ जिले में आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कड़े कदम उठा दिए हैं। शिवभक्तों की आस्था का सम्मान करने और यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से, शहर में मीट, मछली, अंडे और अन्य मांसाहारी उत्पादों की बिक्री करने वाली सभी दुकानें बंद करने के आदेश दिया हैं। यह प्रतिबंध 26 जुलाई से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा, जिसकी सूचना सभी दुकानदारों को नोटिस के माध्यम से दे दी गई है। पुलिस और जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि इस अवधि के दौरान कोई भी मांसाहारी प्रतिष्ठान खुला मिलता है, तब उसके मालिक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। जिलाधिकारी कविता मीणा ने जानकारी देकर बताया कि कांवड़ यात्रा को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु निर्णय लिया है। उन्होंने पुष्टि की कि सभी मीट की दुकानों और रेस्टोरेंट संचालकों को सूचित किया गया है कि कांवड़ मार्ग व आसपास के क्षेत्रों में मीट, मांस, मछली की बिक्री पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा। जिला प्रशासन ने दुकान मालिकों और होटल संचालकों से आदेश का पूर्णत: पालन करने की अपील की है। इसके अतिरिक्त, हापुड़ पुलिस यात्रा मार्गों पर लगातार निगरानी कर रही है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पहले ही कई दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं। खाद्य और अन्य प्रतिष्ठानों की भी जांच की जा रही है, ताकि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। प्रशासन का लक्ष्य है कि लाखों कांवड़ियों की यात्रा सुरक्षित और निर्बाध रूप से पूरी हो सके।

अबोहर के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, स्कूल खाली कराए

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला जारी है। बुधवार सुबह फाजिल्का जिले के अबोहर स्थित कई प्रमुख स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया। एहतियात के तौर पर स्कूलों को तत्काल खाली कराकर छात्रों को सुरक्षित घर भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, अजम्पसन कॉन्वेंट स्कूल, डीएवी स्कूल समेत कई शिक्षण संस्थानों को सुबह करीब 8:51 बजे ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दोपहर 1:30 बजे तक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सूचना मिलते ही स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों को इसकी जानकारी दी और तत्काल छुट्टी घोषित कर दी। घटना की सूचना पर पुलिस, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार स्कूल परिसरों की गहन तलाशी ली गई और ईमेल भेजने वाले की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सतर्क रहने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी पंजाब के जालंधर, अमृतसर, मोगा, मोहाली तथा चंडीगढ़ के कई स्कूलों को इसी तरह की धमकी भरे ईमेल मिल चुके हैं। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है।

समाज में नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए सभी मिलकर कार्य करें, युवाओं को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी-राज्यपाल

कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ की विकास कार्यों की समीक्षात्मक बैठक

टीबी मुक्त बूंदी बनाने और विद्यार्थियों में नैतिक शिक्षा को बढ़ावा देने के दिए निर्देश

स्मार्ट हलचल

बूंदी- राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ जनहित के कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने 'नशामुक्त भारत अभियान' और 'राष्ट्रीय क्षय (टीबी) उन्मूलन कार्यक्रम' को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही, शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण के लिए नैतिक शिक्षा को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल बागडे ने कहा कि केंद्र सरकार ने नशामुक्त भारत अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसकी शुरुआत सबसे पहले सरकारी विभागों से ही होनी चाहिए। सरकारी अधिकारी व कर्मचारी मादक पदार्थों का सेवन न करें, ताकि वे आमजन के लिए एक आदर्श और प्रेरणास्त्रोत बन सकें। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि महाविद्यालयों और स्कूलों में शिक्षक इस बात का विशेष ध्यान रखें। विद्यालयों में नियमित रचनात्मक गतिविधियां आयोजित हों, जिससे विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास हो सके।

नारी शक्ति का मिले सहयोग, गांव-गांव हो प्रचार

राज्यपाल ने कहा कि युवा हमारे देश की असली ताकत हैं और इन्हें नशे के चंगुल से बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। शिक्षण संस्थानों में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देकर समाज में फैल रही नशे की प्रवृत्ति पर लगाम लगाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि यह मुहिम केवल स्कूलों तक सीमित न रहे, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका व्यापक प्रचार-प्रसार हो। आमजन की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित की जाए और इस नशामुक्त समाज के निर्माण में नारी शक्ति का भी पूरा सहयोग लिया जाए। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए राज्यपाल ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि टीबी मरीजों की पहचान जल्द से जल्द की जाए ताकि उनका तुरंत उपचार शुरू हो सके। टीबी को जड़ से खत्म करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को 'टीबी मुक्त बूंदी' के लक्ष्य के साथ काम करने का आह्वान किया। डोर-टू-डोर सर्वे और स्क्रीनिंग पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि समय पर इलाज से कई जानें बचाई जा सकती हैं। मरीजों के संपूर्ण उपचार के लिए मुफ्त दवा के साथ-साथ 'निक्षय मित्र' बनाकर उन्हें नियमित पोषण किट भी उपलब्ध करवाई जाए। बैठक में राज?यपाल ने नल जल कार्यक्रम की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश?यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव, पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (सीलिंग) रमेश देव सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

भारतीय रेलवे में मिशन मोड पर भर्ती अभियान जारी

वर्ष 2014 से जून 2026 तक 5.56 लाख से अधिक नियुक्तियां, भर्ती प्रक्रिया बनी अधिक पारदर्शी एवं समयबद्ध

स्मार्ट हलचल

कोटा। भारतीय रेलवे देश के युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध कराने के लिए मिशन मोड में भर्ती अभियान संचालित कर रहा है। वर्ष 2014 से 30 जून 2026 तक भारतीय रेलवे में 5.56 लाख से अधिक नियुक्तियां की जा चुकी हैं, जबकि वर्ष 2004-05 से 2013-14 के दौरान यह संख्या 4.11 लाख थी। रेल मंत्रालय द्वारा भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, समयबद्ध एवं अभ्यर्थी-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2024 से वार्षिक भर्ती कैलेंडर (Annual Recruitment Calendar) लागू किया गया है। इससे अभ्यर्थियों को प्रत्येक वर्ष नियमित भर्ती के अवसर, परीक्षा कार्यक्रम की निश्चितता तथा नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी का लाभ मिल रहा है। वर्तमान में रेलवे में 1,61,889 गैर-राजपत्रित पदों पर भर्ती प्रक्रिया विभिन्न चरणों में प्रगति पर है। इनमें वर्ष 2024, 2025 एवं 2026 के वार्षिक भर्ती कैलेंडर के अंतर्गत सहायक लोको पायलट (ALP), तकनीशियन, जूनियर इंजीनियर, डिपो मैटेरियल सुपरिंटेंडेंट, केमिकल एवं मेटलर्जिकल असिस्टेंट, पैरामेडिकल, नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (स्नातक एवं स्नातक-पूर्व), लेवल-1, सेक्शन कंट्रोलर, आरपीएफ तथा अन्य विभिन्न पद शामिल हैं। रेल मंत्रालय ने भर्ती परीक्षाओं को देशभर के अभ्यर्थियों के लिए अधिक सुलभ बनाने हेतु 150 से अधिक शहरों में 15 भारतीय भाषाओं में कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं (CBT) आयोजित की हैं। वर्ष 2024 एवं 2025 की भर्ती प्रक्रिया के दौरान विभिन्न चरणों की कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं में लगभग 4.5 करोड़ अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जो भारतीय रेलवे की अब तक की सबसे व्यापक एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रियाओं में से एक है। वर्ष 2026-27 (30 जून 2026 तक) के दौरान तकनीशियन, जूनियर इंजीनियर, पैरामेडिकल, मंत्रीस्तरीय एवं पृथक श्रेणी तथा सहायक लोको पायलट सहित विभिन्न पदों पर 3,300 से अधिक अभ्यर्थियों के चयन पैनल भी अंतिम रूप दिए जा चुके हैं, जिनमें अधिकांश पद सुरक्षा श्रेणी से संबंधित हैं। रेल मंत्री, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी देते हुए कहा कि भारतीय रेलवे में रिक्तियों को परिचालन आवश्यकताओं, नई तकनीक तथा भविष्य की जरूरतों के अनुरूप नियमित रूप से भरा जा रहा है। रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) द्वारा अत्याधुनिक एवं पूर्णत: पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से भर्ती परीक्षाओं का सफल संचालन किया जा रहा है।

में घुमंतु एवं विमुक्त समुदाय के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

स्मार्ट हलचल

(दिनेश लक्षकार) गंगापुर ओलखाण ट्रस्ट संस्था द्वारा पंचायत समिति सभागार, सहाड़ा में घुमंतु, अर्द्ध घुमंतु एवं विमुक्त समुदाय के 55 महिला एवं पुरुष प्रतिनिधियों की सहभागिता के साथ 'संवैधानिक मूल्य एवं भूमि साक्षरता' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। ओलखाण के कार्यकर्त्ता सुरेश कुमार लुंकड़ द्वारा समुदाय को भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों, संवैधानिक मूल्यों, भूमि संबंधी कानूनों, सरकारी योजनाओं एवं संगठन की शक्ति के प्रति जागरूक करना, ताकि समुदाय अपने अधिकारों के प्रति सजग होकर लोकतांत्रिक एवं कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से उन्हें प्राप्त कर सके के बारे में बताया गया।प्रथम सत्र में रिसोर्स पर्सन अधिवक्ता दौलतराज ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना, समानता, भेदभाव निषेध, गरिमामय जीवन, सामाजिक न्याय तथा राज्य के दायित्वों पर विस्तार से जानकारी दी।द्वितीय सत्र में राजस्थान के भूमि एवं राजस्व कानूनों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही भूमि अधिकार प्राप्त करने की कानूनी प्रक्रिया एवं प्रशासनिक स्तर पर अपनाई जाने वाली कार्यवाही से भी अवगत कराया गया।कार्यक्रम में अधिवक्ता दौलतराज, शकील मोहम्मद, सुरेश कुमार लुंकड़, मनुलाल, मंजू नायक, मंजू मेघवाल, दिनेश गर्ग, बसंती भील, सहित ओलखाण की टीम उपस्थित रही।

गुरु पूर्णिमा पर रामनिवास धाम में उमड़ा अटूट श्रद्धा का सैलाब, गुरु-भक्ति में सराबोर हुए हजारों श्रद्धालु,

गुरु वही जो स्वयं श्रेष्ठ आचरण करता हो -संत नवनिधराम महाराज

स्मार्ट हलचल

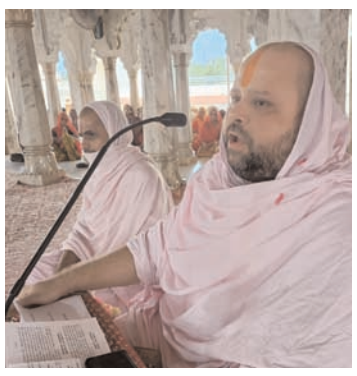

शाहपुरा। रामस्नेही संप्रदाय की मुख्यपीठ रामनिवास धाम में बुधवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के बीच पूरे वैभव के साथ मनाया गया। प्रात:कालीन बेला से ही रामनिवास धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे हजारों रामस्नेही अनुयायियों ने आद्याचार्य महाप्रभु स्वामी रामचरणजी महाराज के पावन स्तंभजी पर माथा टेककर अपनी आस्था अर्पित की तथा गुरु चरणों में नमन कर आध्यात्मिक आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे धाम में राम नाम की मधुर ध्वनि, भक्ति-भजनों की स्वर लहरियां और गुरु वंदना के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यवाहक भंडारी संत नवनिधराम महाराज, ट्रस्टी रामगोपाल सोमाणी, सुर्यप्रकाश बिड़ला, कैलाशचंद्र तोषनीवाल की अगुवाई में स्तंभजी की महाआरती वंदना की गई। इससे पूर्व राम नाम अंकित कर स्तंभजी की पूजा की। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर रामनिवास धाम का प्रत्येक कोना श्रद्धा और विश्वास की अनूठी छटा बिखेरता दिखाई दिया। सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें स्तंभजी और सरस्वती भंडार तक लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से दर्शन कर अपने जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं आध्यात्मिक उन्नति की कामना की। महिलाएं, युवा, बुजुर्ग और बच्चे सभी गुरु भक्ति के रंग में रंगे नजर आए। पूरे परिसर में अनुशासन और सेवा का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखा। इन दिनों रामनिवास धाम में चातुर्मास कर रहे कार्यवाहक भंडारी संत नवनिधराम महाराज ने गुरु पूर्णिमा की महत्ता पर विस्तृत प्रवचन देते हुए गुरु-शिष्य परंपरा का गहन विवेचन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति में गुरु को साक्षात परमात्मा का स्वरूप माना गया है। गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा दिखाने वाला दिव्य पथप्रदर्शक होता है। गुरु के बिना आत्मज्ञान, संस्कार और जीवन का वास्तविक उद्देश्य अधूरा रह जाता है। संत नवनिधराम महाराज ने कहा कि आज के वैश्विक और भौतिकवादी युग में गुरु और शिष्य के संबंधों के मायने बदलते जा रहे हैं। आधुनिकता की दौड़ में आध्यात्मिक मूल्यों का क्षरण चिंता का विषय है। ऐसे समय में हमारी सनातन परंपरा में गुरु को जो सर्वोच्च स्थान दिया गया था, उसे पुन: स्थापित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब तक गुरु के प्रति समर्पण, श्रद्धा और सेवा का भाव नहीं होगा, तब तक जीवन में वास्तविक ज्ञान और आत्मिक शांति की प्राप्ति संभव नहीं है। अपने प्रवचन में उन्होंने शास्त्रों का उल्लेख करते हुए गुरु के स्वरूप का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि द्वयोपनिषद् में गुरु के जिन गुणों का वर्णन किया गया है, वे आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं

आचार्यों वेदसंपन्नो विष्णुभक्तो विमत्सरः।
मन्त्रज्ञो मन्त्रभक्तश्च सदामन्त्राश्रय: शुचिः॥

उन्होंने इस श्लोक की व्याख्या करते हुए बताया कि वास्तविक गुरु वही है जो स्वयं श्रेष्ठ आचरण करता हो और समाज को भी सदाचार की प्रेरणा देता हो। जो वेदों का ज्ञाता हो, भगवान विष्णु का अनन्य भक्त हो, ईर्ष्या और द्वेष जैसे विकारों से रहित हो, मंत्रों का ज्ञाता तथा उनमें पूर्ण निष्ठा रखने वाला हो, सदैव मंत्रों का आश्रय लेने वाला और तन-मन से पवित्र हो। ऐसे सभी गुणों से युक्त व्यक्ति ही गुरु कहलाने का अधिकारी है।

संत नवनिधराम महाराज ने कहा कि गुरु केवल उपदेश देने वाला नहीं, बल्कि अपने जीवन से प्रेरणा देने वाला होता है। उसका प्रत्येक आचरण समाज के लिए आदर्श बनता है। गुरु अपने ज्ञान, तप, त्याग और सेवा से समाज में संस्कारों का दीप प्रज्ज्वलित करता है। इसलिए भारतीय संस्कृति में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान पूजनीय माना गया है।

उन्होंने शिष्य के कर्तव्यों पर भी प्रकाश डालते हुए द्वयोपनिषद् का एक अन्य श्लोक उद्धृत किया

शरीरं वसु विज्ञानं वासः कर्मगुणानसून।
गुर्वर्थं धारयेत् यस्तु स शिष्यो नेतरः स्मृतः॥

संत ने इसकी व्याख्या करते हुए कहा कि जो व्यक्ति अपना शरीर, धन, ज्ञान, कर्म, गुण, वस्त्र और यहां तक कि अपने प्राण भी गुरु के आदर्शों और उनके बताए मार्ग के लिए समर्पित कर देता है, वही सच्चा शिष्य कहलाता है। केवल नाम मात्र से किसी गुरु का अनुयायी बन जाना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक शिष्य वही है जो गुरु के उपदेशों को अपने जीवन में उतारकर चरित्र, व्यवहार और सेवा के माध्यम से समाज के सामने आदर्श प्रस्तुत करे।

उन्होंने कहा कि गुरु और शिष्य का संबंध केवल शिक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह आत्मा और परमात्मा के मिलन का माध्यम है। गुरु अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का दीप जलाता है और जीवन को नई दिशा देता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में गुरु के प्रति समर्पण, सेवा, विनम्रता और श्रद्धा का भाव बनाए रखना चाहिए।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान रामनिवास धाम में पूरे दिन धार्मिक अनुष्ठान, गुरु वंदना, रामधुन, भजन-कीर्तन एवं सत्संग का क्रम निरंतर चलता रहा। श्रद्धालुओं ने गुरु चरणों में पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया तथा अपने परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की मंगलकामना की। धाम में भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का ऐसा वातावरण बना कि हर श्रद्धालु स्वयं को गुरु कृपा से अभिभूत महसूस करता नजर आया।

श्रद्धालुओं का कहना था कि गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गुरु के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का अनुपम अवसर है। रामनिवास धाम में उमड़ी अपार आस्था ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि है और गुरु के सान्निध्य में ही जीवन को सही दिशा, सच्चा ज्ञान और आत्मिक शांति प्राप्त होती है। गुरु पूर्णिमा के इस भव्य आयोजन ने श्रद्धा, समर्पण और सनातन संस्कृति की गौरवशाली गुरु-शिष्य परंपरा को नई ऊर्जा और नई चेतना प्रदान की।

संक्षिप्त समाचार

बीजिंग में भारत-चीन बैठक संबंधों को सुधारने पर जोर

बीजिंग , एजेंसी। भारत और चीन के बीच संबंधों को फिर से सामान्य बनाने और आपसी विश्वास बढ़ाने के प्रयासों के तहत विदेश सचिव विक्रम मिसरी अपनी आधिकारिक यात्रा पर चीन पहुंचे हैं। यात्रा के पहले दिन सोमवार को उन्होंने बीजिंग में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय विभाग की उप-मंत्री सुन हायान से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देने पर विस्तार से चर्चा हुई। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दोनों अधिकारियों के बीच आपसी प्राथमिकता वाले मुद्दों को सुलझाने पर सहमति बनी। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच राजनीतिक वार्ता, थिंक-टैंक जुड़ाव, अकादमिक आदान-प्रदान और आम लोगों के बीच आपसी संपर्क को और मजबूत करने के उपायों पर विस्तृत चर्चा हुई। चीन में भारत के राजदूत रह चुके मिसरी ने चीन की राष्ट्रीय राजनीतिक सलाहकार संस्था के उप-महासचिव होंग लियांग से भी मुलाकात की। इस बैठक में भी दोनों के बीच राजनीतिक और जन-स्तरीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

यूक्रेन को ड्रोन-रोधी एआई तकनीक देगा ब्रिटेन

लंदन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को इंग्लैंड के एक नौसैनिक अड्डे पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम से मुलाकात की। प्रधानमंत्री बनने के बाद किसी विदेशी नेता का यह उनका पहला दौरा रहा। बर्नहैम ने कहा कि ब्रिटेन यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा है और न्यायसंगत शांति स्थापित होने तक उसका समर्थन जारी रहेगा। इस दौरान ब्रिटेन ने यूक्रेन को अत्याधुनिक 'स्टोन क्लॉक' इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर तकनीक के बौद्धिक संपदा अधिकार सौंपने की घोषणा की। यह तकनीक दुश्मन के ड्रोन को भटकाने और नाकाम करने में सक्षम है। दोनों नेताओं ने ब्रिटेन में तीन सप्ताह का सैन्य और समुद्री बारूदी सुरंग रोधी प्रशिक्षण पूरा करने वाले 200 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों से भी मुलाकात की।

पाकिस्तान में शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर किशोरी की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर 17 वर्षीय किशोरी की उसके चचेरे भाई ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार को ननकाना साहिब जिले में हुई। आरोपी जावेद इकबाल अपनी चचेरी बहन से शादी करना चाहता था, लेकिन उसने प्रस्ताव ठुकरा दिया। बाजार जाते समय आरोपी ने उसे रोककर दोबारा शादी के लिए दबाव बनाया। मना करने पर उसने नजदीक से गोली मार दी, जिससे किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, एक अन्य घटना में रहीम यार खान जिले में 23 वर्षीय युवक का कथित प्रेम संबंध होने पर अपहरण कर उसकी नाक काट दी गई। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अमेरिका में सरकारी किराना स्टोर प्लान : न्यूयॉर्क सिटी मेयर बोले- खाद्य पदार्थों पर 30 फीसदी छूट

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने सरकारी किराना स्टोर खोलने की योजना बनाई है। सोमवार को उन्होंने फल, मांस व अन्य रसोई के सामान पर 30 फीसदी छूट की घोषणा की। उद्देश्य बढ़ती खाद्य कीमतों को कम करना है। पांच स्टोर शहर के पांचों बरो में खुलेंगे। पहला 2027 के अंत तक ब्रोंक्स में खुलेगा। ममदानी ने कहा, 30 फीसदी छूट से न्यूयॉर्क के लोगों को वास्तविक बचत होगी। दैनिक संचालन के लिए निजी ऑपरेटरों को चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई है। प्रशासन स्टोरफ्रंट, किराया व संपत्ति कर का वहन करेगा। छोटे किराना व्यापारी व बोडेगा मालिक रियायती कीमतों से प्रतिस्पर्धा पर चिंतित हैं। ममदानी ने कहा, स्टोर गर्म भोजन, बीयर या सिगरेट नहीं बेचेंगे, ताकि निजी दुकानों से प्रतिस्पर्धा न हो। मैनहट्टन और ब्रोंक्स में जगह चुन ली गई है।

100 साल पुराने घर में छिपा था गुप्त कमरा, खोलते ही मिला खजाना ; हो गए मालामाल

लंदन, एजेंसी। यूके में एक दंपती को अपने 100 साल पुराने घर में एक गुप्त कमरा मिल गया जिसमें खजाना छिपा हुआ था। 34 साल की लीजा और उनके पति छुट्टियों में अपने पैतृक घर गए थे। यह घर लंबे समय से बंद था और वे दोनों शहर में रहने लगे थे। साफ सफाई के दौरान उन्हें फर्श पर एक जगह ईंट उठी हुई दिखी तो उन्होंने इसे हटाया। अंदर एक कमरे जैसा दिखाई दिया। इसके बाद दोनों ने इसे खोलने का फैसला किया। एक दीवार तोड़ने के बाद उन्हें अपने ही घर में एक गुप्त कमरा मिला। इस कमरे में चारों ओर कोयला ही कोयला दिखाई दे रहा था। दोनों ने सोचा कि पुराना कमरा है और इसकी साफ-सफाई करदी जाए। कोयला साफ करते समय उन्हें एक टिन बॉक्स मिला जिसमें जंग लगा हुआ था।

फ्रांस के जंगलों में भीषण तबाही: मैक्रों बोले- 'हम मिलकर जीतेंगे यह लड़ाई'

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस, स्पेन और इटली इस समय भीषण जंगल की आग से जूझ रहे हैं। फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर दमकलकर्मियों का हौसला बढ़ाया और इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा अग्नि संकट बताया। फ्रांस और स्पेन में अब तक 3.30 लाख से अधिक लोगों को घर छोड़ने पड़े हैं। स्पेन में इतिहास की सबसे बड़ी जंगल की आग दर्ज की गई है, जबकि लगातार पड़ रही हीटवेव और जलवायु परिवर्तन ने हालात को और गंभीर बना दिया है।

हालात इतने खराब कैसे हुए : दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में आग बुझाने के लिए बनाए गए समन्वय केंद्र (कोऑर्डिनेशन सेंटर) के दौरे के दौरान मैक्रों ने अधिकारियों से पूरी स्थिति की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि पिछले सप्ताह से धधक रही आग बेहद अनिश्चित रही है। कई बार इसने खुद ही फैलने वाले 'फायर स्टॉर्म' यानी आग के तूफान का रूप ले लिया। इस आग ने पेरिस से लगभग चार गुना बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया और करीब 2.20 लाख लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया।

मैक्रों ने इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा संकट क्यों बताया : मैक्रों ने कहा कि हम ऐसी आग का सामना कर रहे हैं, जैसी पहले कभी नहीं देखी गई।' उन्होंने इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद फ्रांस में आग से जुड़ा सबसे बड़ा संकट बताया। राष्ट्रपति ने लगातार कई दिनों तक कठिन परिस्थितियों में काम करने वाले दमकलकर्मियों की सराहना की, जिन्होंने सोमवार तक आग के आगे बढ़ने की रफ्तार को रोकने में सफलता हासिल की। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि जंगलों में अब भी कई जगह आग सुलग रही है और खतरा पूरी तरह टला नहीं है। आने वाले सप्ताह बेहद चुनौतीपूर्ण होंगे।

क्या हीटवेव आग पर काबू पाने में सबसे बड़ी चुनौती बनेगी : हजारों दमकलकर्मी और पानी व अग्निरोधी रसायन गिराने वाले विमान लगातार अभियान में जुटे हुए हैं। राहत कार्य समय के खिलाफ दौड़ बन चुका है, क्योंकि मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाली हीटवेव आग बुझाने के प्रयासों को और कठिन बना सकती है। राष्ट्रीय मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की संभावना है, जबकि बुधवार को इससे भी अधिक गर्मी पड़ सकती है।

क्या फिलहाल आग पर कुछ हद तक काबू पाया जा सका है : क्षेत्रीय प्रशासन के मुताबिक सोमवार रात तक स्थिति 'कुल मिलाकर स्थिर' रही, जो पिछले कुछ दिनों की तुलना में राहत देने वाली खबर है। इससे पहले आग बोर्डो शहर के बाहरी हिस्सों से महज 15 किलोमीटर दूर तक पहुंच गई थी। लगभग 2.68 लाख आबादी वाले इस ऐतिहासिक शहर के आसपास आग ने बिजली जैसी चमक के साथ 'फायर स्टॉर्म' पैदा किए, जिससे कई नई जगहों पर आग भड़क उठी।

क्या लोगों को अभी भी घर छोड़ने की जरूरत पड़ रही है : सोमवार को किसी नए इलाके को खाली कराने की घोषणा नहीं की गई। हालांकि अगस्त में शुरू होने वाले पर्यटन सीजन को देखते हुए गिरोंडे क्षेत्र के प्रशासन ने बच्चों और दिव्यांग लोगों के लिए संचालित होने वाले हॉलिडे कैंपों पर रोक लगा दी है, ताकि जोखिम वाले इलाकों में पर्यटकों की आवाजाही सीमित की जा सके।

आग को रोकने के लिए जमीन पर कैसी तैयारी की जा रही है : आग की रफ्तार रोकने के लिए भारी अर्थ-मूवर मशीनों से जंगल और झाड़ियों के बीच खाली पट्टियां बनाई जा रही हैं, ताकि आग आगे न बढ़ सके। किसान भी पानी के टैंकरों के जरिए दमकल टीमों तक लगातार पानी पहुंचा रहे हैं और राहत अभियान में सहयोग कर रहे हैं।

कौन-कौन से देश फ्रांस और स्पेन की मदद के लिए आगे आए हैं : करीब एक दर्जन देशों ने फ्रांस और स्पेन को विमान, हेलीकॉप्टर, दमकलकर्मी और अन्य संसाधन उपलब्ध कराए हैं। दोनों देशों में लगी भीषण आग के कारण अब तक 3.30 लाख से अधिक लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। स्पेन में मैड्रिड के आसपास और वालेंसिया क्षेत्र में जंगल की आग लगातार फैल रही है। प्रशासन ने 79 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है, जबकि 30 हजार लोगों को एहतियातन घरों के भीतर ही रहने के निर्देश दिए गए हैं। फ्रांस और स्पेन, दोनों देशों में इस वर्ष समय से पहले और अत्यधिक तीव्र हीटवेव देखने को मिली। इससे जंगल और झाड़ियां पूरी तरह सूख गईं और आग तेजी से फैलने लगी। इन हालात के बीच जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग तेज हो गई है।

ट्रंप ने फिर छेड़ी ईवी बनाम पेट्रोल कार की बहस ?: पूर्व राष्ट्रपति बाइडन की नीति पर साधा निशाना, दी बड़ी चेतावनी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रिक और इंटरनल कंबशन इंजन (पेट्रोल-डीजल) वाले वाहनों में अपनी पसंद से चुनाव करने की पूरी आजादी होनी चाहिए। ट्रंप का दावा है कि उनकी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की ईवीनीति और ईंधन दक्षता मानकों को समाप्त कर अमेरिकी ऑटो उद्योग को नुकसान से बचाया।

ट्रंप ने ईवी नीति पर क्या कहा : मिशिगन में जनरल मोटर्स के मिलफोर्ड प्रूविंग ग्राउंड के दौरे के दौरान ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के पहले दिन ही बाइडन की इलेक्ट्रिक वाहन नीति को खत्म कर दिया था। उनके अनुसार, यदि वह नीति जारी रहती तो अमेरिकी ऑटो उद्योग को भारी नुकसान होता। उन्होंने कहा कि यदि कोई इलेक्ट्रिक कार खरीदना चाहता है तो उसके लिए विकल्प मौजूद हैं, लेकिन यदि कोई पेट्रोल-डीजल या अन्य प्रकार का वाहन खरीदना चाहता है तो उसे भी वही स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

रोजगार को लेकर ट्रंप ने क्या चिंता जताई : ट्रंप ने कहा कि इलेक्ट्रिक कारों के निर्माण में पारंपरिक वाहनों की तुलना में कम कर्मचारियों की जरूरत पड़ती है। उन्होंने कहा कि इससे मिशिगन जैसे उन राज्यों में रोजगार प्रभावित हो सकता है, जहां बड़ी संख्या में लोग ऑटोमोबाइल उद्योग पर निर्भर हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने बाइडन प्रशासन के कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल इकॉनमी (CAFE) मानकों को भी समाप्त कर दिया। उनके अनुसार, ये मानक अमेरिकी वाहन कंपनियों को दिवालिया होने की ओर ले जा सकते थे और इंटरनल कंबशन इंजन वाले वाहनों के भविष्य पर भी खतरा पैदा कर सकते थे। उन्होंने कहा कि जब तक वह राष्ट्रपति हैं, ऐसा नहीं होने देंगे।

टैरिफ और घरेलू उत्पादन पर क्या बोले : ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार ने अमेरिका के बाहर बनने वाले वाहनों और ट्रकों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जबकि देश में निर्मित वाहनों पर यह लागू नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि इसी वजह से कंपनियां अमेरिका में उत्पादन बढ़ा रही हैं। उन्होंने जनरल मोटर्स की सराहना करते हुए कहा कि कंपनी ने 2026 में ट्रक और एसयूवी उत्पादन में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है और पिछले दो वर्षों में अमेरिका में फैक्ट्रियां वापस लाने के लिए 9 अरब डॉलर का निवेश किया है। बाइडन प्रशासन ने स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्सर्जन और ईंधन दक्षता से जुड़े कड़े मानक लागू किए थे। इन नीतियों में सभी नए वाहनों को इलेक्ट्रिक बनाना अनिवार्य नहीं था।

नाइजीरिया में आधी रात बंदूकधारियों का खूनी हमला, 30 से ज्यादा लोगों की मौत... पूरे इलाके में मचा हड़कंप

अबूजा , एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तरी राज्य कडुना में रविवार देर रात अज्ञात बंदूकधारियों ने एक समुदाय पर हमला किया, जिसमें बच्चों समेत 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। इस हमले की पुष्टि स्थानीय मीडिया ने सोमवार को करते हुए घटना की पूरी जानकारी दी। नाइजीरिया के अखबार 'द पंच न्यूजपेपर्स' के अनुसार, कौरू लोकल गवर्नमेंट एरिया के नारिडोन समुदाय में बंदूकधारियों ने गोलीबारी की और घरों के साथ ही दुकानों में भी आग लगा दी, जिससे कई निवासी घायल हो गए। इनमें कई लोगों की हालत गंभीर है।

आधी रात को हुआ अचानक हुआ हमला : अखबार ने कम्युनिटी लीडर्स के हवाले से बताया कि हमला रविवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 11:00 बजे शुरू हुआ। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हमले में घायल कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। इस कारण मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। इस हमले में स्थानीय निवासी डोगोन राना का घर भी नष्ट कर दिया गया। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि बंदूकधारियों ने दूरदराज के समुदाय को घेर लिया और अंधाधुंध हमला किया। हमले का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है और स्थानीय पुलिस ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

कडुना राज्य में हाल के वर्षों में हिंसक हमलों की कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें सांप्रदायिक झड़पें भी शामिल हैं। इस बीच, स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि नाइजीरिया के दक्षिणी राज्य अनाम्ब्रा में रविवार देर रात तीन मंजिला इमारत गिरने के बाद दर्जनों लोगों के फंसे होने की आशंका है। अनाम्ब्रा राज्य में पुलिस के प्रवक्ता टोचुकु इकेन्गा ने फोन पर सिन्हुआ को बताया कि 'एलीट फाइव स्टार लॉज' नाम की इमारत के मलबे से कई घायल लोगों को बचाया गया है। इस इमारत में मुख्य रूप से अनाम्ब्रा में फेडरल पॉलिटेक्निक ओको के छात्र रहते थे। इकेन्गा ने कहा कि सोमवार को बचाव अभियान जारी रहा और आपातकालीन बचाव दल मलबे के नीचे फंसे लोगों का पता लगाने की कोशिशें तेज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें आशंका है कि अभी भी कई लोग फंसे हुए हैं। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इस इमारत में आम तौर पर शैक्षणिक संस्थान के छात्रों की भीड़ रहती है।

ट्रंप की धमकी के बाद दहला ईराक; एरबिल में अमेरिकी दूतावास के पास ड्रोन हमले, अलर्ट पर अमेरिकी सेना

बगदाद, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। मंगलवार तड़के उत्तरी इराक का एरबिल शहर जोरदार धमाकों की आवाजों से थर्रा उठा। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बेहद करीब हुए इन विस्फोटों के पीछे ईरान समर्थित ड्रोन हमलों की आशंका जताई जा रही है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच संवेदनशील कूटनीतिक वार्ताएं चल रही हैं।

दूतावास के पास अफरा-तफरी, कई इलाकों में आग : स्थानीय पुलिस और अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एरबिल के उत्तर-पूर्व में स्थित खलिफान और सोरान क्षेत्रों में कम से कम चार ड्रोन हमले दर्ज किए गए। लोगों ने बताया कि एरबिल शहर में एक के बाद एक करीब सात धमाके सुने गए, जिनमें से कुछ अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के आसपास हुए। इन हमलों के बाद प्रभावित क्षेत्रों में भीषण आग लग गई और आसमान में धुएं का गुबार देखा गया। फुटेज में इराकी कुर्दिस्तान के ऊपर सक्रिय एयर डिफेंस सिस्टम की गतिविधियां भी नजर आई हैं।

अलर्ट पर अमेरिकी सेना : हमले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य गतिविधियां अचानक तेज हो गई हैं। पुलिस सूत्रों का दावा है कि धमाकों के तुरंत बाद एरबिल के आसमान में 10 से अधिक अमेरिकी लड़ाकू विमान और ड्रोन गश्त करते देखे गए। हालांकि, पेंटागन या अन्य अमेरिकी अधिकारियों की ओर से अभी तक किसी जानी-नुकसान या जवाबी कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गैस क्षेत्र को भी बनाया गया निशाना : ईरान के सरकारी प्रसारक IRIB ने दावा किया है कि यह हमला केवल एरबिल तक सीमित नहीं था। खबरों के मुताबिक, सुलेमानिया प्रांत के खोर मोर गैस क्षेत्र पर भी हमला हुआ है। इसके अलावा, अल-अनबर प्रांत में एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने का दावा किया गया है, जिसके मलबे की तस्वीरें हदीथा बांध के पास से सामने आने की बात कही जा रही है।

ट्रंप की चेतावनी और वार्ता की अनिश्चितता : यह हमला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के कुछ ही घंटों बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने बातचीत विफल होने पर कड़ी सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी थी। वर्तमान में ओमान, कतर, पाकिस्तान और मिस्र जैसे देश अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कर रहे हैं, ताकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सुरक्षित रखा जा सके और परमाणु समझौते पर सहमति बन सके। लेकिन एरबिल में हुए इन हमलों ने शांति की इन कोशिशों पर सवालिया निशान लगा दिया है।

टोरंटो में अमेरिका कॉन्सुलेट को इस साल दूसरी बार गोलियों से निशाना बनाया गया, पुलिस जांच जारी

टोरंटो, एजेंसी। उत्तरी अमेरिका के टोरंटो में अमेरिकी कॉन्सुलेट को सोमवार को इस साल दूसरी बार गोलियों से निशाना बनाया गया. हमलावर गोलीबारी के बाद फरार हो गया. इस हमले के कारणों का पता नहीं चल पाया है. पुलिस हमलावर की तलाश में जुट गई है. सीबीसी न्यूज के मुताबिक कॉन्सुलेट के पास रेगुलर पेट्रोलिंग कर रहे एक ऑफिसर ने सुबह करीब 4:45 बजे इलाके में गोलियों की आवाज सुनी. ऑफिसर 10 मार्च को उस जगह पर हुई पिछली शूटिंग के बाद वहां तैनात थे.

रिपोर्ट के मुताबिक टोरंटो पुलिस के डिप्टी चीफ फ्रैंक बैरेडो ने कहा कि ऑफिसर ने तुरंत एक सफेद होंडा अकॉर्ड को बिना लाइसेंस प्लेट के उस जगह से तेजी से भागते देखा. ऑफिसर्स ने डॉन मिल्स रोड के पास डॉन वैली पार्कवे पर थोड़ी देर गाड़ी का पीछा किया, लेकिन गाड़ी की स्पीड 140 किलोमीटर प्रति घंटे से ज़्यादा होने के बाद सेफ्टी रिस्क की वजह से पीछा रोक दिया. पीछा करने के दौरान एरियल सपोर्ट मौजूद नहीं था.

घटना पर बात करते हुए डिप्टी चीफ बैरेडो ने कहा, 'हम इस स्थिति को बहुत गंभीरता से लेंगे. उन्होंने शूटिंग को बेशर्मी और घिनौना बताया. सीबीसी न्यूज ने बताया कि पुलिस ने कॉन्सुलेट के पास से एक शेल केसिंग बरामद की और बिल्डिंग के सामने के हिस्से को नुकसान देखा. घटना के संबंध में किसी के घायल होने की खबर नहीं है. सीबीसी न्यूज ने बताया कि अमेरिकी एम्बेसी के एक स्पोक्सपर्सन ने एक ईमेल स्टेटमेंट में टोरंटो पुलिस को उनके तेज रिस्पॉन्स के लिए धन्यवाद दिया. मकसद और गाड़ी में सवार लोगों की संख्या की जांच अभी भी जारी है. टोरंटो पुलिस स्पोक्सपर्सन स्टेफ़नी सेयर ने बताया कि डिपार्टमेंट अभी ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस या डरहम रीजनल पुलिस सर्विस के हेलीकॉप्टर पर निर्भर है, लेकिन इस साल के आखिर में उसे अपना एयरक्राफ्ट मिलने वाला है. सोमवार को रिपोर्टर्स से बात करते हुए टोरंटो की मेयर ओलिविया चाउ ने कहा कि उन्होंने कनाडा के पब्लिक सेफ्टी मिनिस्टर गैरी आनंदसांगरी से शहर में गन वायलेंस और गैर-कानूनी हथियारों की आमद को रोकने के तरीकों के बारे में बात की. मेयर चाउ ने इस शूटिंग को बेशर्म हमला बताया. सीबीसी न्यूज़ के मुताबिक, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) टोरंटो पुलिस और इंटरनेशनल पार्टनर्स के साथ मिलकर जांच में सहयोग कर रही है. आरसीएमसी सुपरिंटेंडेंट जोनाथन को ने कहा, 'कनाडा में किसी भी व्यक्ति के प्रति धमकी और हिंसा को बहुत गंभीरता से लिया जाता है.' सीबीसी न्यूज ने बताया कि यह घटना 10 मार्च को हुई इसी तरह की घटना के बाद चार महीने से कुछ ज़्यादा समय में डाउनटाउन लोकेशन पर दूसरी शूटिंग है।

अमेरिका में नाबालिगों के लिए एडिक्टिव एआई चैटबॉट्स पर रोक लगाने वाला विधेयक पेश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक लॉमेकर ने ऐसा विधेयक पेश किया है, जिसके तहत एआई चैटबॉट बनाने वाली कंपनियों को नाबालिगों के लिए ऐसे फीचर उपलब्ध कराने से रोका जाएगा, जो भावनात्मक निर्भरता, अत्यधिक उपयोग और लत को बढ़ावा देते हैं। वर्मोंट से डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि बेका बालिंट द्वारा पेश किए गए एडिक्टिव डिज़ाइन एक्ट के तहत उन कंपनियों पर जुर्माना लगाया जाएगा, जो नाबालिगों को एडिक्टिव डिजाइन वाले चैटबॉट उपलब्ध कराती हैं। यह विधेयक ऐसे समय में लाया गया है, जब किशोर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता के लिए तेजी से एआई चैटबॉट्स का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, बालिंट के कार्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, अधिकांश चैटबॉट्स इस तरह से डिजाइन नहीं किए गए हैं कि वे मानसिक स्वास्थ्य संकट से गुजर रहे किसी युवा को सुरक्षित और उचित प्रतिक्रिया दे सकें।

बालिंट ने कहा, तकनीकी कंपनियों ने वर्षों तक यह सीखने में बिताया है कि लोगों का ध्यान कैसे आकर्षित किया जाए और उन्हें अधिकतम समय तक कैसे जोड़े रखा जाए। उन्हें यही रणनीति उन संवेदनशील बच्चों पर लागू करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, जो मानसिक स्वास्थ्य संकट के दौरान किसी एआई चैटबॉट का सहारा ले रहे हों। उन्होंने आगे कहा, हम एआई के मामले में वही गलती नहीं दोहरा सकते। इससे पहले कि और परिवार इसके दुष्परिणाम झेलने को मजबूर हों, हमें स्पष्ट नियम, शोध और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी।

विधेयक के तहत कंपनियों को ऐसे चैटबॉट्स नाबालिगों के लिए उपलब्ध कराने से रोका जाएगा, जिनमें ऐसे फीचर हों जो लत, अस्वस्थ भावनात्मक लगाव या अत्यधिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं।

विधेयक में टाइपिंग बबल्स, अवतार और पिछली बातचीत से प्राप्त व्यक्तिगत जानकारी का संग्रह और उपयोग संभावित रूप से एडिक्टिव फीचर्स के रूप में चिन्हित किए गए हैं। इसके अलावा, बातचीत जारी रखने के लिए आगे और जुड़ाव या भुगतान की अनिवार्यता, दो घंटे से अधिक समय तक बातचीत की अनुमति देना और किसी वास्तविक व्यक्ति का प्रतिरूप प्रस्तुत करना भी इस श्रेणी में शामिल किया गया है। प्रस्तावित प्रावधानों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर प्रत्येक प्रभावित नाबालिग के लिए 5,000 डॉलर तक का सिविल जुर्माना लगाया जा सकता है।

पाकिस्तानी रेंजर्स की फायरिंग में 19 की मौत, कई जगह मतपेटियां फूंकीं; तनाव चरम पर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में सोमवार को विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान जबरदस्त खून-खराबा देखने को मिला। एक तरफ पाकिस्तान इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया बता रहा है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोगों ने बड़े पैमाने पर इन चुनावों का बहिष्कार किया है। इस दौरान हुई हिंसा और पाकिस्तानी रेंजर्स की अंधाधुंध गोलीबारी में कम से कम 19 लोगों की जान चली गई है, जबकि दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

रावलकोट में पाक रेंजर्स की बर्बरता : सबसे भीषण हिंसा रावलकोट इलाके में हुई। सूत्रों और सोशल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के आह्वान पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी 'मुजफ्फराबाद चलो' लॉन्ग मार्च निकालने की तैयारी कर रहे थे, तभी पाक रेंजर्स ने उन पर गोलियां चला दीं। इस कार्रवाई में 19 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई।

भींबर में मतपेटियां फूंकीं : हिंसा की लपटें केवल रावलकोट तक सीमित नहीं रहीं। भींबर जिले में एक मतदान केंद्र पर अलग-अलग राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हुई। हालात इतने बिगड़ गए कि उपद्रवियों ने एक मतपेटी छीन ली और उसे आग के हवाले कर दिया, जिससे उसमें रखे सभी वोट जलकर राख हो गए। उधर, कोटली जिले के नकयाल में हुई झड़प में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के एक कार्यकर्ता मुख्तार यूनुस की मौत की खबर है। पीपीपी ने इस हत्या के लिए अपने राजनीतिक विरोधियों को जिम्मेदार ठहराया है।

जेएएसी का चुनाव बहिष्कार : यह चुनाव ऐसे समय में हो रहा है जब पीओके का प्रशासन और नागरिक संगठनों का समूह जेएएसी आमने-सामने हैं। जेएएसी ने शासन की विफलता, आर्थिक तंगी और राजनीतिक सुधारों की मांग को लेकर इन चुनावों के बहिष्कार का ऐलान किया था। संगठन की मुख्य मांग 1947 के बाद यहां बसे शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म करना है। पिछले दो महीनों से जारी इन विरोध प्रदर्शनों के कारण इस्लामाबाद ने इस संगठन पर प्रतिबंध भी लगा दिया था, जिससे जनता में भारी गुस्सा है।

दमन का नतीजा है यह आक्रोश : पीओके में जारी इस अस्थिरता पर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। नई दिल्ली ने स्पष्ट रूप से कहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न हिस्से हैं। भारत के अनुसार, पीओके में हो रहे प्रदर्शन पाकिस्तान की ओर से दशकों से किए जा रहे व्यवस्थित शोषण और प्रशासनिक दमन का सीधा परिणाम हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी हाल ही में कहा था कि अब पाकिस्तान से सिर्फ पीओके पर बात होगी।

रावलकोट के भयावह हालात: सड़कों पर लाशें और खून : रावलकोट में पिछले 52 दिनों से चल रहे 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के प्रदर्शनों को कुचलने के लिए पाकिस्तानी बलों द्वारा की गई कार्रवाई ने खौफनाक रूप ले लिया है। स्थानीय लोगों के बयान बेहद डरावने हैं। रावलकोट में मौजूद चश्मदीद और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अकील भाई ने वीडियो जारी कर बताया कि वहां हर तरफ लाशें और घायल लोग नजर आ रहे हैं।

पिता इलेक्ट्रीशियन, आर्थिक तंगी में गुजरा बचपन

अब कॉमनवेल्थ गेम्स में पूरा किया पिता का अधूरा सपना; ज्ञानेश्वरी यादव की कहानी

नई दिल्ली। एक प्रसिद्ध कहावत है, 'जिसमें कुछ करने का जुनून होता है वह किसी भी परिस्थिति में अपनी राह बना लेता है।' इसी कहावत को सच कर दिखाया है भारतीय वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने। परिवार की आर्थिक तंगी, संसाधनों की कमी, कोरोना जैसी महामारी और कई तमाम तरह की परेशानियों का सामना करते हुए ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने सपने को साकार किया है। ज्ञानेश्वरी यादव ने सोमवार (27 जुलाई) को राष्ट्रमंडल खेलों में 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता और अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक यादव बिजली मिस्त्री हैं, जिन्होंने कभी बॉडी बिल्डर बनने का सपना देखा था लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उनका सपना अधूरा रह गया। अपनी बेटी के जन्म के साथ ही दीपक ने यह निश्चय कर लिया था कि वह अपनी बेटी को एक स्पोर्ट्सपर्सन ही बनाएंगे। 13 साल की ज्ञानेश्वरी को उनके पिता दीपक ने पहली बार पॉवर लिफ्टिंग से परिचय कराया। ज्ञानेश्वरी के प्रतिभा को देखते हुए दीपक उनको वेटलिफ्टिंग कोच अजय लोहार विश्वकर्मा के पास ले गए, जो इस युवा खिलाड़ी की प्रतिभा को देखकर तुरंत प्रभावित हो गए।

कम संसाधनों में की कड़ी मेहनत- कोच लोहार ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया,'ड्राई लिफ्टिंग के पहले दिन ही उन्होंने 15 किलोग्राम के लकड़ी के तख्ते को आसानी से उठा लिया। मुझे उस एहसास हो गया कि वह एक अच्छी वेटलिफ्टर बनेंगी। उनमें संतुलन और शारीरिक ताकत शुरू से ही अच्छी थी। इसलिए उन्होंने खेल की बुनियाद को जल्दी सीख लिया। वेटलिफ्टिंग के सफर की शुरुआत के साथ ही ज्ञानेश्वरी को संसाधनों की कमी से जुझना पड़ा।

ज्ञानेश्वरी के पिता ने कहा, ज्ञानेश्वरी भीषण गर्मी में बिना पंखे वाले हॉल में अभ्यास किया करती थीं। ज्ञानेश्वरी यादव ने एक दिन के लिए भी अपने अभ्यास में कमी नहीं की। कोरोना महामारी के दौरान जब सब कुछ ठप हो चुका था, ऐसे समय में भी ज्ञानेश्वरी ने बिना संसाधनों के ही अपने अभ्यास को जारी रखा। छह महीने से अधिक तक जिम बंद रहने की वजह से ज्ञानेश्वरी ने घर को ही प्रशिक्षण स्थल बना लिया। पिता दीपक ने सीमेंट की पट्टियां बनाईं और गैस सिलेंडर का इंतजाम किया ताकि वह बिना किसी रुकावट के प्रशिक्षण कर सके।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक ने बताया, 'ज्ञानेश्वरी के जन्म के साथ ही मैंने और उसकी मां दुर्गा ने यह फैसला ले लिया था कि हम उसे खिलाड़ी बनाएंगे। जब उसने रजत पदक जीता तो मुझे खुद को पोडियम पर देखने का मौका मिला। वह 14 साल की उम्र में भी आसानी से बेंच प्रेस कर लिया करती थी। चाहे बारिश हो या गर्मी उसने अभ्यास कभी नहीं छोड़ा। जहां वह प्रशिक्षण करती थी वहां पंखा भी नहीं था।

सीडब्ल्यूजी 2026

पहले ही प्रयास में 8.01 मीटर की जंप

ग्लासगो । भारतीय लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार शुरुआत की है। उन्होंने सोमवार को पुरुषों की लॉन्ग जंप के क्वालिफिकेशन राउंड में 8.01 मीटर की छलांग लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। श्रीशंकर ने ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क को आसानी से पार कर लिया। क्वालीफाइंग 'ग्रुप-ए' में 27 वर्षीय एथलीट को फाइनल में सीधा प्रवेश पाने के लिए कम से कम 8.00 मीटर की छलांग लगाने की जरूरत थी। श्रीशंकर ने यह लक्ष्य केवल एक प्रयास में हासिल कर लिया, जिसके बाद उन्होंने अपना क्वालिफिकेशन राउंड समाप्त कर दिया और बुधवार को होने वाले मेडल इवेंट के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखी। केरल के इस एथलीट ने अपने पहले प्रयास से ही 'ग्रुप-ए' में शीर्ष स्थान हासिल किया।

श्रीशंकर मुरली ने हासिल किया फाइनल का टिकट

गुलवीर सिंह ने रचा इतिहास

10,000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने वाले बने पहले भारतीय

ग्लासगो। ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (ष्ठङ्खत्र 2026) के छठे दिन भारत के स्टार धावक गुलवीर सिंह ने मंगलवार को इतिहास रच दिया। पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुलवीर ने रजत पदक (सिल्वर मेडल) अपने नाम किया। इसके साथ ही वह कॉमनवेल्थ गेम्स की इस स्पर्धा में पदक हासिल करने वाले भारत के पहले एथलीट बन गए हैं। 27 मिनट 49.78 सेकंड में पूरा किया ऐतिहासिक सफर 27 वर्षीय गुलवीर सिंह ने ट्रैक पर जबरदस्त रफ्तार और धैर्य का परिचय देते हुए 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकाला और दूसरा स्थान हासिल किया।

गोल्ड मेडल : ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। **सिल्वर मेडल :** भारत के गुलवीर सिंह (27 :49.78) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। **कांस्य पदक :** डेविड मुलार्की ने कांस्य पदक अपने नाम किया। यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास मानी जा रही है क्योंकि लंबी दूरी की दौड़ में पारंपरिक रूप से दबदबा रखने वाले कीनिया और युगांडा के दिग्गज धावक इस बार पोडियम (शीर्ष तीन) में जगह बनाने में नाकाम रहे।

'मेरे को नंगी कर के सड़क पर फेंक दिया था'

कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने वाली एथलीट शर्मीला धनकड़ की प्रेरक कहानी

नई दिल्ली। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में पहले 5 दिन के बाद भारत ने 10 पदक जीत लिए हैं। भारत की बेटियों ने स्कॉटलैंड में तिरंगे का मान बढ़ाया है। उसमें से कई खिलाड़ियों की कहानी ऐसी है जिसमें उन्होंने बेहद कठिनाइयों का सामना किया है। ऐसी ही प्रेरक कहानी है भारत के लिए पैरा एथलेटिक्स में इतिहास रचने वाली शर्मीला धनकड़ की। उन्होंने 40 साल की उम्र में गोला फेंक प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतते हुए अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया। आज इस स्वर्ग जैसी जिंदगी में नजर आ रहीं शर्मीला का जीवन 14 साल पहले किसी नर्क से कम नहीं था। उनके पहले पति ने उन पर इस कदर यातनाएं की थीं कि उन्हें बिना कपड़ों के सड़क पर बेटियों के साथ फेंक दिया था।

ग्लासगो में सोमवार रात गोल्ड मेडल जीतने के बाद शर्मीला ने इंडियन एक्सप्रेस और अपनी 14 साल पहले की दर्द भरी कहानी को भी सबके सामने बताया। वहीं स्न्ढ्ढ द्वारा आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में जनसत्ता के सवालों का भी जवाब दिया और यह भी बताया कि दूसरे पति अजीत सिंह का उनकी जिंदगी में बेहद खास रोल रहा।

उन्होंने बताया कि 2012 में उनके नशेड़ी पति ने रेवाड़ी में उनको दो बेटियों के साथ निर्वस्त्र करके सड़क पर फेंक दिया था। यह मामला रेवाली के गुरकावास गांव का था। इसके बाद पड़ोसियों ने उन्हें कंबल और रजाई से लपेटा। फिर शर्मीला के माता-पिता जय लाल और सरोज उन्हें अपने महेंद्रगढ़ स्थित गांव छिथरौली ले गए। इस हादसे के 14 साल बाद अब भारत की इस बेटी ने ग्लास्गो में गोल्ड मेडल जीता और अपनी मां व दूसरे पति अजीत सिंह को साथ सेलिब्रेट करने के लिए सबके सामने बुलाया।

शर्मीला ने सुनाई दर्द भरी दास्तां

शर्मीला 2 साल की उम्र में ही एक पैर में पोलियो से पीड़ित हो गई थीं। उन्होंने गोल्ड मेडल जीतने के बाद अपनी आपबीती को बताया। उन्होंने कहा, 'मेरे को नंगी करके मेरी बेटियों के साथ सड़क पर फेंक दिया था मेरे पहले हस्बैंड (पति) ने। मेरे पड़ोसियों ने मुझे कंबल से लपेटा और फिर मेरे माता-पिता मुझे वहां से ले गए। मेरी 19 साल की उम्र में शादी कर दी गई थी। वह ड्रग्स लेता था और उसका आदि था। जब मेरी दूसरी बेटी पैदा हुई थी तब से चीजें खराब हो गई थीं।' वहीं शर्मीला की माता सरोज भी बचपन से नेत्रहीन हैं। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बेटी की सफलता के बाद कहा, 'मेरी बेटी कक्षा 1 से कक्षा 10 तक टॉपर रही है। लेकिन हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी तो हमने उसकी शादी कर दी। जब यह हुआ (पहले पति की बर्बरता) तो मैंने अपने पति से कहा कि उसे वापस ले आओ। यह गोल्ड मेडल शर्मीला के जज्बे का नतीजा है।'

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

34 गोल्ड के साथ टॉप पर ऑस्ट्रेलिया, 12 मेडल जीतकर नौवें स्थान पर भारत

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को भारत की झोली में दो सिल्वर मेडल और आए, जबकि तीन मुक्केबाजों ने अपने मेडल पक्के कर लिए हैं। भारत की कुल मेडल की संख्या अब 12 हो चुकी है। हालांकि, मेडल टैली पर ऑस्ट्रेलिया का दबदबा लगातार बरकरार है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऑस्ट्रेलिया अब तक कुल 78 मेडल अपने नाम कर चुका है। इसमें 34 गोल्ड, 17 सिल्वर और 27 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया की टक्कर में इस समय कोई नहीं है। कनाडा मेडल टैली में 35 मेडल के साथ दूसरे स्थान पर है। कनाडा ने 13

गोल्ड, 10 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए हैं। इंग्लैंड मेडल टैली में तीसरे स्थान पर मौजूद है। इंग्लैंड ने अब तक कुल 43 मेडल जीते हैं, जिसमें 10 गोल्ड, 18 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल हैं। मेजबान स्कॉटलैंड फिलहाल चौथे स्थान पर है। स्कॉटलैंड की झोली में अब तक 15 मेडल आए हैं। इसमें 7 गोल्ड, 4 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। 6 गोल्ड और कुल 11 मेडल के साथ नाइजीरिया मेडल टैली में पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वहीं, भारत टॉप 10 में बरकरार है। छठे दिन दो सिल्वर मेडल जीतने के बाद भारत 9वें स्थान पर काबिज है। भारत ने कुल 2 गोल्ड, 7 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। मंगलवार को महिला वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर कौर ने कुल 227 किलो का भार उठाते हुए सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने स्नैच में 101 और क्लीन एंड जर्क राउंड में 126 किलो का भार उठाया। वहीं, गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ को 27 :49.78 सेकंड में पूरा करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। गुलवीर इस प्रतियोगिता में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। मुक्केबाजी में प्रीति, प्रिया और जादुमणि सिंह ने अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इन तीनों मुक्केबाजों ने भारत के लिए कम से कम ब्रॉन्ज मेडल पक्के कर दिए हैं।

5 ओवर में 5 विकेट और रन दिए 0

पाकिस्तान पर कहर बरपा जस्टिन ग्रीव्स ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स ने सोमवार को (27 जुलाई) को पाकिस्तान के खिलाफ इतिहास रच दिया। वह टेस्ट क्रिकेट में लगातार पांच विकेट मेडन करने वाले पहले गेंदबाज बन गए। ग्रीव्स ने पहली बार टेस्ट क्रिकेट में फाइव-विकेट हॉल लिया। उन्होंने 2016 में जोहान्सबर्ग में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के लगातार चार मेडन विकेट के रिकॉर्ड को तोड़ा। पाकिस्तान ने 38 रन पर 6 विकेट गंवा दिए। ग्रीव्स ने त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पहले टेस्ट के तीसरे दिन लंच से

पहले और बाद के स्पेल में कहर बरपाया। पाकिस्तान पहली पारी में अच्छी बढ़त बनाने की राह पर था। एक समय उसका स्कोर 244/3 था। पूर्व कप्तान शान मसूद ने शतक पूरा किया।

पाक 282 रन पर ऑल आउट

इसके बाद ग्रीव्स ने उन्हें आउट किया। फिर लगातार ओवरों में आमिर जमाल, अली उस्मान और मोहम्मद रिजवान को बिना कोई रन दिए आउट कर दिया। इससे पाकिस्तान का स्कोर लंच तक 267/8 हो गया। ग्रीव्स ने लंच के बाद अपने पहले ओवर में मोहम्मद अब्बास को विकेट के पीछे कैच कराया और लगातार पांच विकेट मेडन किए। इससे पाकिस्तान 282 रन पर ऑल आउट हो गया।

इंडीज की दूसरी पारी लड़खड़ाई

वेस्टइंडीज की दूसरी पारी लड़खड़ा गई है। उसने 43 ओवर में 7 विकेट पर 126 रन बनाए हैं। उसके पास 155 रनों की बढ़त है। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद अब्बास ने 14 रन देकर 3 विकेट झटके। केमार रोच 5 और शमार जोसेफ 13 गेंद पर 22 रन बनाकर नाबाद क्रीज पर। कैरेबियाई टीम के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा तेगनरायण चंद्रपाल ने 35 रन बनाए हैं। तीसरे दिन 14 विकेट गिरे।

188 विकेट और 2200 रन, कौन हैं सारांश जैन?

वाशिंगटन की जगह श्रीलंका दौरे पर मिला मौका

नई दिल्ली। श्रीलंका दौरे पर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का मंगलवार(28 जुलाई) को ऐलान हो गया। वाशिंगटन सुंदर के चोटिल होने के कारण सारांश जैन को चुना गया है। मध्य प्रदेश के इस ऑलराउंडर का चयन चौंकाने वाला है क्योंकि उन्हें 33 साल की उम्र में मौका मिला है। भारतीय क्रिकेट में 30 साल के होने के बाद पहली बार चुने जाने वाले खिलाड़ियों की संख्या ज्यादा नहीं है।

घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले सारांश को इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर अच्छे प्रदर्शन का फायदा मिला है। उन्होंने दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में गेंद और बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने 70 रन बनाने के अलावा छह विकेट लिए थे। सारांश जैन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 188 विकेट लिए हैं और दो शतक के साथ 2200 से ज्यादा रन बनाए हैं। श्रीलंका की टीम में काफी बाएं हाथ के बल्लेबाजों की मौजूदगी की वजह से चयनकर्ताओं ने भारतीय टीम में शामिल किया है।

360 रन और 35 विकेट

सारांश जैन ने उस सीजन में उन्होंने मध्य प्रदेश के लिए 360 रन बनाए और 35 विकेट लिए। इससे उन्हें इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया ए की टीम में चुना गया, जहां उन्होंने एकमात्र खेले मैच की दोनों पारियों में हाफ-संेचुरी बनाई। सारांश की खासियत है कि वह किसी भी मौके का पूरा फायदा उठाते हैं।

टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ में दो बड़े बदलाव

श्रीलंका दौरे पर नए कोच के साथ उतरेगी टीम

नई दिल्ली। भारतीय टीम 15 अगस्त से अब इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना अगला मुकाबला खेलेगी। टीम इंडिया श्रीलंका का दौरा करेगी जिसमें दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ से दो पूर्व सदस्यों का नाम हट जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने यह अपने बयान में साफ कर दिया है कि असिस्टेंट कोच रियान टेन डशकाटे और फील्डिंग कोच टी दिलीप का कार्यकाल नहीं बढ़ेगा।

मंगलवार को पीटीआई से बात करते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिन देवजीत सैकिया ने यह बयान दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि आगामी श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया नए फील्डिंग कोच के साथ उतरेगी। वहीं कोचिंग स्टाफ में दो बदलाव होना तय है। उन्होंने कहा है कि श्रीलंका दौरे से पहले ही फील्डिंग कोच के नाम का ऐलान होगा। वहीं इसके लिए दो से तीन नामों पर चर्चा भी जारी है।

क्या बोले देवजीत सैकिया?

सैकिया ने बताया, 'असिस्टेंट कोच रियान डसकाटे का दो साल का कॉन्ट्रैक्ट 10 जून को टीम इंडिया के साथ खत्म हो चुका है। फील्डिंग कोच टी दिलीप का पिछले साल एक साल के लिए कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया गया था।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com